सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

# परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 262, नई दिल्ली । सोमवार, 02 दिसम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 आम आदमी पार्टी गुंडो की पार्टी बन गई है : गौरव भाटिया
06 भारत का पुराना परीक्षा जुनून छात्रों के भविष्य को कैसे प्रभावित कर रहा
08 'कम से कम 3 बच्चे पैदा करना जरूरी', संघ प्रमुख मोहन भागवत का बड़ा बयान

# भारत में डीजल वाहन किए जाएंगे जल्द बैन!

## सरकार का बड़ा फैसला

संजय बाटला

**नई दिल्ली।** फाइल तैयार, दिसंबर माह शुरु होने पर भी दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण के हालात जस के तस बने हुए हैं. कई इलाकों में तो एक्यूआई लेवल 400 के पार पहुंचा हुआ है। जिस कारण जनता के समक्ष दिखावा बनाए रखने के उद्देश्य को पूरा करते हुए दिल्ली सरकार ही नहीं, बल्कि केन्द्र सरकार भी चिन्ता दिखा रही है ।आपको बता दे कि केंद्र सरकार ने डीजल चालित वाहनों को भारत से पूरी तरह खत्म करने का प्लान तैयार कर लिया है। भारत सरकार को एक्सपर्टों ने बताया है कि पॉल्यूशन बढ़ने में सबसे ज्यादा डीजल वाहन ही वजह हैं। एक्सपर्ट्स की सलाह को मानते हुए भारत सरकार ने डीजल वाहनों को बंद करने की अंतिम तारीख जारी कर दी है। वर्तमान में डीजल वाहनों में कमी लाने के उद्देश्य से डीजल वाहनों की आयु सीमा 10 साल लागू की गई है। लेकिन अब सरकार डीजल वाहनों के खिलाफ बड़ा फैसला लेने जा रही है।

**ऊर्जा संक्रमण सलाहकार समिति की रिपोर्ट** ऊर्जा संक्रमण सलाहकार समिति ने सरकार को एक रिपोर्ट और प्रस्ताव पेश किया है। जिसमें कहा है डीजल वाहन सबसे ज्यादा प्रदूषण करते हैं इसलिए तत्काल प्रभाव इन पर प्रतिबंध कर देना चाहिए।

जैसे ही सर्दियां शुरू होती हैं प्रदूषण का स्तर बढ़ना शुरू हो जाता है और सरकार का उद्देश्य डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने के पीछे ईवी वाहनों को बढ़ावा देना है।

विश्वस्त सूत्रों की माने तो डीजल वाहनों की निर्भरता कम करने के लिए ही ईवी वाहनों पर सरकार सब्सिडी का ऐलान भी कर सकती है.

ऊर्जा संक्रमण सलाहकार समिति की रिपोर्ट के अनुसार 2027 से डीजल वाहनों की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने की सिफारिश की गई है। सरकार इस पर क्या फैसला लेती है इसका इंतजार सभी को है। अगर सरकार फैसला कर देती है तो सड़को पर डीजल वाहन सिर्फ ढाई साल तक ही चला सकते हैं और उसके साथ ही कार कंपनीज भी डीजल वाहन बेचना बंद कर देंगी।

सूत्रों की मानें तो डीजल वाहनों पर सबसे पहले इन राज्यों में लगेगा प्रतिबंध

शुरुआती दौर में कुछ चुनिंदा शहरों में डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। इसके लिए यह मानक भी तय किए जा चुके हैं।

सूत्रों के अनुसार जिन शहरों की आबादी 10 लाख से ज्यादा है उन शहरों में शुरूआत में प्रतिबंध और अन्य राज्यों में धीरे धीरे प्रतिबंध लागू होते रहेंगे।

दिल्ली एनसीआर में 10 साल पुराने वाहनों को घुसने पर रोक है और चलाने वालों को पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाती हैं।

**हमारी राय है की डीजल चालित वाहनों को खरीदने के अपने फैसले पर फिर विचार करें और आदेश जारी होने तक डीजल चालित वाहनों की खरीद को टाल दें।**

आपको बता दें कि सरकार भी अब डीजल वाहनों की बिक्री की जगह इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री पर ज़्यादा जोर दे रही हैं। सूत्रों का दावा है कि सरकार डीजल वाहनों को लेकर अभी और कड़े फैसले लेने वाली है इसलिए नुकसान से बचने के लिए फिलहाल डीजल वाहन खरीद का फैसला टालना ही ठीक रहेगा. साथ ही डीजल के स्थान पर पेट्रोल या अन्य किसी ईंधन से चलने वाले वाहन लेना ठीक रहेगा।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasarjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय:- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

# ग्रैप के चक्कर में दिल्ली में ट्रैफिक की रफ्तार स्लो, सड़कों पर बुरा हाल, आखिर कैसे मिलेगा छुटकारा

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए कुछ गाड़ियों पर बैन लगा दिया गया है और बैरिकेड्स लगाकर उनकी जांच की जा रही है। इससे यातायात जाम और प्रदूषण बढ़ रहा है। दिल्ली पुलिस सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई कर रही है। लोग इससे नाखुश हैं क्योंकि उनका यात्रा समय बढ़ गया है।

**नई दिल्ली:** दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए ग्रैप की पांबदियां लागू की गई हैं। इसके तहत कुछ गाड़ियों पर बैन लगा दिया गया है। दिल्ली पुलिस इन नियमों का पालन करवाने के लिए शहर भर में बैरिकेड्स लगाकर गाड़ियों की जांच कर रही है। इससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि इससे यातायात जाम बढ़ गया है और उनकी यात्रा का समय भी बढ़ गया है। इसके अलावा जाम में फंसी गाड़ियों से प्रदूषण भी बढ़ रहा है। पुलिस का कहना है कि वे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई कर रहे हैं। हालांकि लोग इस कार्रवाई से नाखुश हैं और इसे बेवजह की परेशानी बता रहे हैं।

### सुप्रीम कोर्ट ने लगाई थी दिल्ली सरकार को फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस और सरकार को प्रदूषण नियंत्रण के नियमों को सख्ती से लागू न करने पर फटकार लगाई थी। कोर्ट ने विशेष रूप से प्रतिबंधित कमर्शियल वाहनों के शहर में एंट्री पर चिंता जताई थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने शहर भर में बैरिकेड्स लगाकर गाड़ियों की जांच शुरू कर दी। एक सीनियर पुलिस अधिकारी के अनुसार, सीमाओं पर 13 बड़े और आसपास के इलाकों में 113 छोटे पिकेट लगाए गए हैं। इसके अलावा सभी 15 जिलों में 10-10 पिकेट लगाए गए हैं। हर पिकेट पर तीन शिफ्ट में चार-चार पुलिसकर्मी तैनात हैं। पुलिस के पास चालान मशीनें हैं और वे चौबीसों घंटे जांच कर रहे हैं। अगर कोई गाड़ी पुरानी लगती है, तो पुलिस उसके दस्तावेजों की जांच करती है।

### पुलिस की बैरिकेडिंग से लोगों को हो रही दिक्कत

हालांकि दिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। लोगों का कहना है कि बैरिकेड्स की वजह से लंबे जाम लग रहे हैं और उनकी यात्रा का समय बढ़ गया है। गाजियाबाद के रहने वाले धनंजय शर्मा ने बताते हैं, 'मैं गाजियाबाद से दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे और फिर इंद्रप्रस्थ पार्क टी-पॉइंट से आता हूं। पिछले कुछ दिनों में, टी-पॉइंट और इंद्रप्रस्थ फ्लाईओवर के बीच 1 किलोमीटर के दायरे में दो जगहों पर पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए हैं, जिससे भारी जाम लग रहा है। पहले मुझे आईटीओ ट्रैफिक सिग्नल तक पहुंचने में पाँच मिनट लगते थे, लेकिन अब 10-15 मिनट लग रहे हैं।'

### आखिर क्यों लगाए गए बैरिकेड्स?

अलीशा जुनेजा नाम की एक अन्य यात्री ने बताया, 'विकास भवन सिग्नल से ठीक पहले, सड़क के दोनों ओर दो बैरिकेड्स लगाए गए हैं। हाल ही में, जब मैं विकास मार्ग पर आईटीओ की ओर जा रही थी, तो मेरे सामने वाली कार अचानक एक बैरिकेड से बचने के लिए बाईं ओर मुड़ गई। मुझे अपनी कार को उससे टकराने से बचाने के लिए ब्रेक लगाने पड़े। मैं हर दिन इसी रास्ते से जाती हूं और मुझे नहीं पता कि ये बैरिकेड्स क्यों हैं। ज्यादातर समय वे खाली रहते हैं। कभी-कभी जब अधिकारी मौजूद होते हैं, तो वे बिना कोई कार्रवाई किए वहां खड़े रहते हैं। इन बैरिकेड्स का उद्देश्य क्या है?'

Tilak Bridge
दिल्ली पुलिस
Photo: Anindya Chattopadhyay
Photo: Jatin Kumar

### सोशल मीडिया पर लोगों ने शेयर की परेशानी

लोगों ने एक्स पर भी अपनी परेशानी जाहिर की है। प्रिंस नाम के एक यूजर ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और गुड़गांव पुलिस को टैग करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, 'दिल्ली की ओर जाने वाले बॉर्डर पर एमजी रोड पर पुलिस के बैरिकेड्स के कारण भारी ट्रैफिक जाम है। यह यहां का रोजमर्रा का दृश्य है। कृपया इस पर ध्यान दें और मदद करें। यह प्रदूषण कम करने में मदद नहीं कर रहा है, बल्कि यह प्रदूषण को बढ़ा रहा है।'

### 'भीड़भाड़ वाले इलाके में भी बैरिकेडिंग'

नोएडा में रहने वाले करण सिंह ने बताया, 'मैं नोएडा के सेक्टर 25 से सेंट्रल दिल्ली जा रहा था, जो आमतौर पर मुझे 45 से 50 मिनट में तय हो जाता है। हालांकि मुझे दोगुना समय लगा क्योंकि पूरा अक्षरधाम फ्लाईओवर जाम था। पहले मुझे लगा कि यह किसी ब्रेकडाउन के कारण है, लेकिन बाद में पता चला कि उन्होंने अक्षरधाम के पास बैरिकेड्स लगा रखे थे। अक्षरधाम के सामने का इलाका वैसे भी भीड़भाड़ वाला है, तो जब कोई गाड़ियों की जांच भी नहीं कर रहा था, तो बैरिकेड लगाने का क्या मतलब था?'

एक ट्रैफिक अधिकारी ने बताया कि उनके पास एक ऐप है जिसके माध्यम से वे गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन चेक कर सकते हैं। अधिकारी ने आगे कहा, 'उनके पास अलग-अलग गाड़ियों की तस्वीरों और जानकारी वाली एक बुकलेट भी है, जिससे बैन गाड़ियों की पहचान करने में मदद मिलती है।'

# दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने 10,000 बस मार्शल्स की दोबारा नियुक्ति के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना को चिट्ठी लिखी है

## मैं आपसे हाथ जोड़कर विनती करती हूं... सीएम आतिशी ने एलजी को क्यों लिखी ऐसी चिट्ठी

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने 10,000 बस मार्शल्स की दोबारा नियुक्ति के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि दो हफ्ते बाद भी उनकी मंजूरी नहीं मिली है। बस मार्शल्स की नियुक्ति से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और 10,000 परिवारों को राहत मिलेगी।

CM आतिशी की एलजी से अपील

**नई दिल्ली** : दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने रविवार को बस मार्शल्स की नियुक्ति को लेकर उपराज्यपाल वीके सक्सेना को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने खत में लिखा कि मार्शलों की दोबारा नियुक्ति को लेकर 13 नवंबर 2024 को हमारे सभी मंत्रियों ने एक प्रस्ताव पास करके आपको भेजा था। करीब दो हफ्ते से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी इस प्रस्ताव पर आपकी ओर से कोई फैसला नहीं लिया गया है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि ये देरी क्यों हो रही है।

### जल्द हो बसों में मार्शलों की नियुक्ति

उन्होंने एलजी से अपील करते हुए कहा कि आपसे हाथ जोड़कर विनती करती हूं कि इस प्रस्ताव पर जल्द से जल्द अपनी स्वीकृति दें। ताकि उन 10,000 परिवारों में फिर से रौशनी लौट आए और महिलाओं की सुरक्षा के लिए बसों में मार्शल तैनात हो सकें। सीएम आतिशी ने चिट्ठी में लिखा, "पूरी दिल्ली कभी नहीं भूल सकती वो दिन जब हमारी माताएं बहनें और बेटियां बसों में असुरक्षित महसूस करती थीं।

### महिलाओं की सुरक्षा के लिए जरूरी

उन्होंने आगे लिखा कि छेड़खानी और गलत नजरों का शिकार होना जैसे उनकी रोजमर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बन गया था। बच्चियों का स्कूल और कॉलेज जाना किसी चुनौती से कम नहीं था और महिलाएं काम पर जाने से पहले सौ बार सोचती थीं कि क्या वे सुरक्षित लौट पाएंगी। ये दर्द हर घर में महसूस किया जाता था। हमारी सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए बसों में 10,000 से ज्यादा मार्शल तैनात किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन मार्शल ने ईमानदारी से अपना काम करते हुए बहुत से उपद्रवियों को पकड़ा था, उसके बाद से ही हर महिला ने पहली बार बसों में खुद को सुरक्षित महसूस किया था। बसों में तैनात हमारे मार्शल हर उस मां बहन बेटी के लिए उम्मीद थे जो रोज अपने घर से निकलती हैं।"

### अक्टूबर 2023 में नौकरी से हटाया

उन्होंने आगे पत्र में लिखा कि इन मार्शलों ने न सिर्फ महिलाओं को सुरक्षा दी बल्कि उन्हें आत्मविश्वास भी दिया उनमें ये भरोसा भी जगाया कि अब कोई भी असामाजिक तत्व उनको तंग नहीं करेगा। लेकिन, फिर केंद्र सरकार के इशारों पर दिल्ली सरकार में बैठे कुछ अफ़सरों ने एक सज़िश के तहत पहले तो इन सभी मार्शलों की तनख्वाह रोकी और फिर 31 अक्टूबर 2023 को इन बस मार्शलों को उनकी नौकरी से भी हटा दिया गया।

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने आपसे तब भी गुज़ारिश की थी कि ऐसे अफसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए लेकिन दुर्भाग्यवश उन पर कार्रवाई करने की बजाए उन्हें तरक्की देकर और भी बड़े पदों पर बैठा दिया गया। महोदय इन गरीब मार्शलों की नौकरी छीनने से न केवल उनके परिवारों का सहारा छिन गया बल्कि महिलाओं की सुरक्षा का वह कवच भी कमजोर हो गया जो हर दिन लाखों महिलाओं को निडर होकर बसों में सफर करने की ताकत देता था।

### दिल्ली सरकार ने पास किया प्रस्ताव

आतिशी ने लिखा कि इन सभी मार्शलों को दोबारा नियुक्ति देकर इन्हें वापस नौकरी पर रखने के लिए 13 नवंबर 2024 को हमारे सभी मंत्रियों ने एक प्रस्ताव पास करके आपके पास आपके कार्यालय में भेजा। लेकिन, अब लगभग दो हफ़्ते से ज़्यादा का समय बीत जाने के बाद भी इस प्रस्ताव पर आपकी ओर से कोई फैसला नहीं लिया गया है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि ये देरी क्यों हो रही है।

### एलजी की सहमति का इंतजार

सीएम आतिशी ने कहा कि आपसे हाथ जोड़कर विनती करती हूं कि इस प्रस्ताव पर जल्द से जल्द अपनी स्वीकृति दें ताकि उन 10,000 परिवारों में फिर से रौशनी लौट आए और महिलाओं की सुरक्षा के लिए बसों में मार्शल तैनात हो सकें। आपकी स्वीकृति का इंतजार केवल इन मार्शलों को ही नहीं बल्कि मुझे और हमारी पूरी सरकार इन मार्शलों के परिवार और दिल्ली की सभी महिलाओं को है। हम सब आपकी सहमति का इंतजार कर रहे हैं।"

# मेट्रो प्रोजेक्ट दिसंबर 2027 तक पूरा हो जाएगा

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

**भूबनेश्वर :** भुबनेस्वर् मेट्रो परियोजना को दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। पहले चरण में 26 किमी मेट्रो का निर्माण किया जाएगा। पहले 20 स्टेशन ओडिशा की कला और संस्कृति पर आधारित बनाए जाएंगेनवंबर 2023 में डीपीआईआर की मंजूरी के बाद काम शुरू हो गया है। 26 किमी में 20 स्टेशन होंगे। 13 ट्रेनें चलेंगी। एक ट्रेन में 3 कोच होंगे। इस प्रोजेक्ट का बजट 6 हजार 256 करोड़ है। नवंबर से अब तक 460 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। एकामेर निर्वाचन क्षेत्र में 3 स्टेशन, मध्य निर्वाचन क्षेत्र में 4 स्टेशन, उत्तर निर्वाचन क्षेत्र में 10 स्टेशन और कटक में 3 स्टेशन होंगे। 95 हजार लोगों की दैनिक परिवहन क्षमता होगी। 92 एकड़ जमीन की जरूरत थी। सब कुछ आ गया है और सिर्फ 15 एकड़ जमीन बची है। मालीपाड़ा में 40 एकड़ जमीन दी गयी है। जहां मेट्रो का कार्यालय है और वहां काम चल रहा है, राज्य सरकार ने अक्टूबर में 250 करोड़ रुपये दिये हैं। राज्य सरकार द्वारा अन्य 350 करोड़ का भुगतान 31 मार्च 2025 तक किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 25-26 में राज्य सरकार को 1700 करोड़ रुपये भुगतान का प्रस्ताव दिया गया है। मेट्रो का यह काम राज्य सरकार की पूरी फंडिंग से किया जाएगा।

# भोपाल की गैस दुर्घटना : प्रलय सा दृश्य : दिनेश चंद्र वर्मा - विनायक फीचर्स

दो दिसम्बर 1984 की रात को भोपाल में एक कुहराम मच गया और ढाई हजार से ज्यादा जिंदगियां हमेशा के लिए खामोश हो गईं, सैकड़ों लोगों की आंखों के आगे अंधेरा छा गया। हजारों लोग बेसहारा हो गए। विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण की इस घटना से संपूर्ण विश्व से एक कराह उठी यह कैसे और क्यों हुआ ?

कयामत या प्रलय की कल्पना केवल धार्मिक किताबों में की गई है, पर भोपाल के किसी निवासी से आप यदि यह पूछें कि क्या उसने प्रलय या कयामत देखी है तो वह तपाक से उत्तर देगा, ''हां, हमने 2 और 3 दिसम्बर की रात को झीलों के इस खूबसूरत शहर में प्रलय या कयामत होते देखी है।'' इस प्रलय का असर आज भी इस खूबसूरत शहर पर दिखाई दे रहा है। हजारों लोग शहर छोडक़र भाग गए और भाग रहे हैं।

अधिकृत आंकड़े बताते हैं कि अब तक ढाई हजार लोग मारे जा चुके हैं, मेथिल आइसो साइएनेट नामक जहरीली गैस से दो लाख व्यक्ति प्रभावित हुए हैं। मगर भोपाल के लोग इस आंकड़े को सच पर परदा डालने की कोशिश बता रहे हैं, अनुमान है कि दुनिया की इस सबसे बड़ी गैस दुर्घटना में 10 से 12 हजार लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है, अब भी हजारों लोग आंखों में जलन तथा सांस लेने में तकलीफ होने की शिकायत कर रहे हैं।

अस्पतालों में 3 दिसम्बर से मरीजों के आने का जो तांता लगा, वह अभी तक कायम है। लोग अपने घरों को लौटने में हिचक रहे हैं और अपने खुले घरों को छोडक़र सैकड़ों मील की दूरी पर स्थित अपने मित्रों और रिश्तेदारों के यहां पहुंच गए हैं।

भोपाल के आसपास के कस्बों और शहरों के अस्पताल गैस पीडित मरीजों से भरे पड़े हैं। जगह नहीं है, इसलिए अस्पतालों के बाहर शामियाने लगाकर इलाज हो रहा है। मरीज आगरा, झांसी और नागपुर तक के अस्पतालों में भर्ती हैं।

मौतें कितनी हुईं, यह कोई नहीं बता सकता। भोपाल के श्मशान और कब्रिस्तान छोटे पड़ गए। श्मशानों में सामूहिक दाह संस्कार हुआ। शहर काजी ने कब्रिस्तानों की पुरानी कब्रें खोद कर उनमें मुर्दे दफनाएं।

हजारों जानवर भी इस दुर्घटना में मारे गए। इन जानवरों को दफनाने के काम में भोपाल शहर नगर निगम पूरी तरह असफल रहा। ये जानवर भोपाल विदिशा मार्ग पर फेंके जा रहे हैं।

### *गैस के दूरगामी परिणाम*

वैसे डॉक्टर इस गैस के दूरगामी परिणामों को लेकर भी परेशान हैं। आशंका है कि गैस से प्रभावित लोगों को बाद में भी बीमारियां हो सकती हैं। भोपाल के निवासियों को खाने पीने तक का संकट हो गया है।

दुर्घटना के पांच दिन बाद इस प्रदेश के मुख्यमंत्री तक यह बताने की स्थिति में नहीं थे कि हवा और पानी में गैस का जहरीला असर खत्म हो गया है या नहीं। भोपाल के नलों में जिस तालाब का पानी आता है उसमें सैकड़ों मछलियां मर रही थीं। हवा में गैस का असर महसूस हो रहा था। आंखों में हलकी जलन महसूस हो रही थी। सरकार का हर पुरजा अफवाहों से सावधान रहने की सीख दे रहा था। मगर सही हालत क्या है, यह बताने की स्थिति में कोई नहीं था।

मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह भी कुछ बताने की स्थिति में नहीं थे। वह हर दिन देशी-विदेशी पत्रकारों और कैमरामैनों से घिरे रहते थे और उनके प्रश्नों के गोलमोल उत्तर देते हुए नाराज हो जाते थे। मुख्यमंत्री बेचारे क्या करते ? मध्यप्रदेश का प्रशासन ही पूरी तरह ठप हो गया था। उन्हें खुद यह नहीं मालूम था कि कहां क्या हो रहा है और उनसे प्रश्न पूछने वाले पत्रकारों में मध्य प्रदेश से बाहर के ही नहीं, बल्कि भारत से बाहर के पत्रकार भी होते थे।

### *हुआ क्या था ?*

वह रविवार की ठंडी रात थी। भोपाल के निवासी हमेशा की तरह अपने बिस्तरों में दुबके पड़े थे। आधी रात के आसपास भोपाल के उत्तरी सिरे बैरसिया रोड पर स्थित कीटनाशक दवाइयों के कारखाने यूनियन कार्बाइड से जहरीली गैस मेथिल आइसो साइएनेट रिसनी शुरू हुई। धीरे धीरे यह गैस भोपाल शहर पर छा गई। गहरी नींद में सोए लोग जाग पड़े। उन्हें आंखों में जलन होने लगीं, सांस लेने में तकलीफ होने लगी, फिर आंखों से आंसू आने शुरू हो गए और खांसी भी आने लगी। इसके बाद सांस लेने में तकलीफ शुरू हुई और सैकड़ों लोग बिस्तर में ही तड़प तड़प कर कुत्तों की मौत मर गए।

और इसके साथ ही सारे शहर में हड़बड़ी और हाहाकार मच गया। लोग अपने घरों से निकले और सिर पर पैर रखकर भागे। ऐसा लगता था कि सारा शहर भाग रहा हो, लोग सडक़ों पर भाग रहे थे- बसों से, ट्रकों से, कारों से, आटो रिक्शाओं से, मोटर साइकिलों और स्कूटरों से, साइकिलों से, जिन्हें कुछ नहीं मिला, वे पैदल ही भाग रहे थे। कोई पीछे मुडक़र नहीं देख रहा था। कोई उस शहर में नहीं रहना चाहता था जहां उसने वर्षों गुजारे थे।

मगर भागने से भी लोगों की जानें नहीं बचीं, कुछ लोग भागते हुए मर गए और उनकी लाशें सडक़ों के किनारों तथा रेलवे स्टेशन पर पड़ी थी। जहां उन पर दिन भर मक्खियां भिनकती रही। कुछ लोग भागकर दूसरे शहरों में पहुंचे तो वहां मर गए।

सडक़ों पर लाशों पर ही नहीं, बल्कि दूसरी कई चीजों पर भी मक्खियां भिनभिना रही थी। सडक़ों पर उल्टियों के ढेर लगे थे। भोपाल एक श्मशान में तब्दील हो चुका था। आदमी ही नहीं पशुपक्षी, गाय, भैंस, बैल, बकरी, घोड़े और मुर्गों के अलावा अनेक जानवरों की लाशों से शहर अटा पड़ा था। यूनियन काबाईड के सामने की झुग्गी झोपडियों की बस्ती जयप्रकाश नगर में सबसे ज्यादा लाशें पड़ी हुई थीं। लाशें इसलिए पड़ी रही, क्योंकि भापल से प्रशासन भी भाग चुका था।

कहा जाता है कि जब गैस रिसनी शुरू हुई थी यूनियन काबाईड के कर्मचारियों ने प्रशासन को सूचना दे दी थी। मगर प्रशासनिक अधिकारियों ने बजाए जनता को बचाने के अपनी और अपने परिवारों की जान बचाना बेहतर समझा। अधिकारी और राजनीतिबाज सरकारी गाडियों में अपने परिवारों सहित बैठकर भाग गए और दूसरे दिन लौटे, तब तक शहर में लाशें सडक़ों पर बिखरी रहीं और नागरिक कीड़ों की तरह बिलबिलाते, बिलखते और तड़पते हुए अस्पतालों में अपनी जान बचाने की कोशिश करते रहे।

अस्पतालों में भी रेलमपेल मची हुई थी। अनेक डॉक्टर और कर्मचारी लापता थे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस के दर्शन भी दुर्लभ हो गए थे। जब 3 दिसम्बर का सूरज उग रहा था, तब भोपाल के अस्पताल लाशों के ढेरों में तब्दील हो चुके थे।

### *मुख्यमंत्री की घोषणा*

मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने प्रशासन के ठप हो जाने और जिम्मेदार अधिकारियों के भाग जाने के संबंध में तो कुछ नहीं कहा है, पर अपने बारे में जरूर ऐलान किया है कि यदि कोई यह सिद्ध कर देगा कि 2 और 3 दिसम्बर की रात को वह भोपाल छोडक़र केरवा बांध स्थित अपने बंगले में भाग कर चले गए थे तो वह राजनीति से सन्यास ले लेंगे। मगर अर्जुन सिंह बजाए इतनी घोषणाएं करने एवं नाटक करने के सीधे सीधे यह क्यों नहीं बता रहे हैं कि वह उस रात को कहां थे ? और यदि वह भागे नहीं थे तो क्या उनका प्रशासन इतना निकम्मा है कि अफसरों की फौज में से किसी ने भी उन्हें यह सूचना नहीं दी कि भोपाल में क्या हो रहा है ? या उन्हें सूचना मिल गई थी, तो क्या वह भोपाल के रेलवे स्टेशन पर तैनात उन कर्मचारियों से गए बीते हो गए थे, जिन्होंने यात्रियों की जान बचाने के लिए अपने आप को बलि चढ़ा दिया था ?

मध्यप्रदेश की जनता न्यायिक जांच आयोग से जानने की अपेक्षा उनसे ही सीधे सीधे यह जानना चाहती है कि वह उस रात कहां थे। उन्हें इस हादसे की सूचना कब मिली ? यदि नहीं मिली तो इसका कारण क्या है ? यदि मिल गई थी तो फिर उन्होंने अपने संवेदनशील प्रशासन को कैसे और कब सक्रिय किया ?

इस घटना को लेकर अर्जुन सिंह और सरकार के प्रति आक्रोश, रोष और असंतोष से भोपाल के समाचार पत्र भरे पड़े हैं। स्वयं अर्जुन सिंह जब अस्पताल में लाशों को देखने गए तो शोक संतप्त लोगों ने उन पर फब्तियां कसीं और उन्हें भला बुरा कहा।

### *दुर्घटना कैसे हुई*

इस प्रलयकारी दुर्घटना की कहानी बड़ी पुरानी है। दुर्घटना के लिए यूनियन काबाईड के प्रबंधकों एवं सरकार की मिलीभगत, घनघोर लापरवाही, विशेषज्ञों का अभाव तथा सुरक्षा उपायों की अवहेलना जिम्मेदार है। इस कारखाने के कर्मचारियों ने इस पत्रकार को बताया कि गैस के टैंक में पानी चला जाना इस दुर्घटना का मुख्य कारण था। करीब 15 दिन पूर्व ही टैंक में गैस का दबाव बढ़ गया था। दबाव और तापमान बताने वाले मीटरों की सुइयां असामान्य स्थिति की सूचना दे रही थीं। दुर्घटना से तीन दिन पहले सेफ्टी वाल्व से गैस रिसनी शुरू हो गई थी, किंतु कर्मचारी और अधिकारी इसलिए बेफिक्र थे कि जब यह गैस कास्टिक सोडा के स्क्रबर से गुजरती है तो उसका जहरीला दबाव समाप्त हो जाता है।

2 दिसम्बर की शाम को गैस की टंकी की इस असामान्य स्थिति की जानकारी इस कारखाने के अधिकारियों को थी, उसी रात टैंक में कहीं और से अधिक पानी रिस गया।

गैस का यह टैंक जमीन में पड़ा हुआ था, वह इतना गरम हो गया था कि टैंक के ऊपर का सीमेंट का हिस्सा तडक़ गया था, तभी टैंक के एक वाल्व की डिस्क उछल गई और गैस चिमनी के रास्ते निकलने लगी। पर यदि सेफ्टी वाल्व की डिस्क नहीं हटती और गैस तेजी से निकलनी शुरू नहीं होती तो टैंक में भीषण विस्फोट होना निश्चित था और यदि यह विस्फोट होता तो भोपाल शहर एक खंडहर और वीरान शहर में तब्दील हो जाता।

टैंक के अंदर पानी कैसे चला गया। इस संबंध में बताया जाता है कि 2 दिसम्बर को मेथिल आइसो साइएनेट, कार्बन मोनो आक्साइड एवं फास्जीन जैसी जानलेवा गैसों के संयंत्र बंद थे, मगर ''सेविन'' नामक एक कीटनाशक दवा के उत्पादन की तैयारी के लिए बाहरी सतह की सफाई चल रही थी। इस सफाई में पानी का इस्तेमाल किया गया था। यही पानी मेथिल आइसो साइएनेट के भूमिगत टैंक में घुस गया। पानी के टैंक में जाते ही ''हाइड्रोवर्मिक रिएक्शन'' शुरू हो गया और टैंक में दबाव तथा तापमान बढने लगा।

यदि यह गैस केमिकल फिल्टर से निकलती तो भी इसका घातक प्रभाव नहीं रहता, मगर यह फिल्टर भी काम नहीं कर रहा था। इसलिए गैस सीधे ही हवा में जाने लगी। यह सब रात को 12 बजे शुरू हो गया था। अर्जुन सिंह के रिश्तेदार और भोपाल के कलेक्टर मोतीसिंह को इसकी जानकारी रात के दो बजे दे दी गई थी।

गैस जब रिसती है तो उसे निष्प्रभावी बनाने के लिए हाइड्रेंट नामक एक यंत्र का भी प्रयोग किया जाता है। हाइड्रेंट फव्वारे के समान होता है और इससे कास्टिक मिश्रित पानी छोड़ा जाता है। मगर उस रात कारखाने में पर्याप्त मात्रा में कास्टिक सोडा भी नहीं था।

अफसोस की एक बात यह भी है कि इस कारखाने में जहरीली गैसों का भरपूर उत्पादन और उपयोग होता है, किंतु गैसों के जहरीलेपन को रोकने वाले विशेषज्ञों का अभाव है, कारखाने में इस तरह के जो विशेषज्ञ थे वे लौटकर अमरीका चले गए।

कहा जाता है कि जिस गैस ने तबाही मचाई, वह मात्रा में पांच टन थी। अभी भी टैंक में गैस बाकी है। अनुमान है कि टैंक में 15 टन गैस अब भी है। इस गैस को कैसे नष्ट किया जाएगा, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। डॉक्टर अभी तक यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि गैस पीडितों को कौन सी दवा दी जाए और इस गैस के दूरगामी परिणाम क्या होंगे ? एक चिंताजनक बात शव परीक्षाओं में यह पाई गई है कि जो लोग मारे गए उनके फेफड़े गलकर पानी हो गए थे। इस गैस का वनस्पतियों पर भी असर पड़ा है, पेड़ों के पत्ते काले पड़ गए हैं और उड़ गए हैं।

आशंका यह भी है कि भोपाल के तालाब में भी यह गैस मिश्रित हो गई है। भारी मात्रा में मछलियां मर रही हैं और भोपाल के निवासी इसी पानी को पीने के लिए मजबूर हैं।

### *पहली दुर्घटना नहीं*

यूनियन काबाईड में होने वाली यह पहली दुर्घटना नहीं है, बल्कि इससे पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इस कारखाने की स्थापना के लिए 31 अक्टूबर, 1975 को लाइसेंस जारी किया गया था, जिस जहरीली गैस ने यह तबाही मचाई उसका उत्पादन सन्‌-1980 में शुरू हुआ। 26 दिसम्बर, 1981 को गैस रिसने के कारण कारखाने के एक मजदूर मुहम्मद अशरफ की मृत्यु हो गई और तीन लोग बीमार हो गए। 9 फरवरी, 1982 को गैस रिसने से 24 लोग बीमार हुए। 5 अक्टूबर, 1982 को गैस के रिसने से आसपास की बस्ती में भगदड़ मच गई। सन्‌-1983 में भी इस तरह की दो दुर्घटनाएं हुई, मगर वे जानलेवा नहीं थी।

सन्‌-1981 में अशरफ की मौत की जांच के लिए राज्य सरकार ने एक समिति नियुक्त की थी। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि सुरक्षा उपायों की लापरवाही के कारण अशरफ की मौत हुई और भविष्य में यह लापरवाही और भी घातक हो सकती है।

मगर न तो कारखाने में सुरक्षा प्रबंध किए गए और न सरकार ने ये प्रबंध लागू कराने के कोई प्रयास किए। मध्यप्रदेश विधानसभा में भी यूनियन काबाईड को लेकर कई बार चर्चाएं हुई थीं। 21 दिसम्बर 1982 को तत्कालीन श्रम मंत्री तारा सिंह वियोगी ने विधायक निर्भय सिंह पटेल, बाबूलाल गौर, पुरुषोत्तम राव विपट, रसूल अहमद सिद्दीकी और थावरचंद गहलोत के प्रश्नों और पूरक प्रश्नों के उत्तर में कहा था, ''यूनियन काबाईड कारखाने में 25 करोड़ रुपए की लागत लगी है। यह कोई छोटा पत्थर तो नहीं है कि उसे उठाकर किसी दूसरी जगह पर रख दूं। ऐसा भी नहीं है कि भोपाल को इससे बहुत बड़ा खतरा पैदा हो गया है। ऐसी कोई संभावना भी नहीं है।'' श्रम मंत्री ने यह भी कहा था कि वह स्वयं कारखाने को तीन बार देख आए हैं और कोई खतरा नहीं है।

भोपाल के एक पत्रकार राजकुमार केसवानी ने भी यूनियन काबाईड के खतरे के बारे में मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह को एक पत्र लिखा था। मगर मुख्यमंत्री ने इस पत्र का उत्तर देना भी उचित नहीं समझा। राजकुमार केसवानी का कहना है कि इस कारखाने के प्रति सरकारी लापरवाही का कारण यह है कि इसके प्रबंधकों के कई अफसरों और राजनीतिबाजों से करीबी रिश्ते हैं। यूनियन काबाईड के गेस्ट हाउस को अर्जुन सिंह के निजी उपयोग के लिए दिया जाता रहा है।

इंदिरा कांग्रेस के क्षेत्रीय अधिवेशन के समय मुख्यमंत्री के इस प्रिय गेस्ट हाउस में केंद्रीय मंत्रियों के ठहरने की व्यवस्था की गई थी।

### *रिश्ते और भी हैं*

प्रदेश के भूतपूर्व पुलिस महानिरीक्षक रामनारायण नागू को कारखाने की सुरक्षा का ठेका दिया गया है। निवर्तमान सिंचाई मंत्री दिग्विजय सिंह के भतीजे एक महत्वपूर्ण पद पर आसीन हैं। इसी तरह एक प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार खन्ना के साले भी एक वरिष्ठ पद पर हैं।

### *सिर्फ बयानबाजी*

इस दुर्घटना के बाद मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह सिर्फ बयानबाजी ही कर रहे हैं। सुबह शाम वह राहत कार्य चलाने का ऐलान कर रहे हैं। मगर हालत यह है कि यदि भोपाल के नागरिक और समाजसेवी संस्थाएं सामने नहीं आतीं तो हजारों लोग भूख एवं प्यास से मर जाते। पीडितों को जो राहत धनराशि बांटी जा रही है, उसमें भी भारी भ्रष्टाचार हो रहा है। भोपाल के निवासी अब तक कोई आधा दर्जन बार मुख्यमंत्री के बंगले पर प्रदर्शन करके यह बता चुके हैं कि उनको जितनी धनराशि पर दस्तखत कराए गए हैं, उतनी धनराशि उन्हें नहीं मिली है।

मरीजों के भोजन के अलावा दवा का प्रबंध भी नागरिक एवं समाजसेवी संस्थाएं कर रही थीं। प्रशासन तो भाषण एवं वक्तव्य पिलाकर अपना कर्तव्य निभा रहा है।

मुख्यमंत्री ने मुआवजे के लिए यूनियन काबाईड पर मुकदमा चलाने की भी घोषणा की है। मगर इसमें संदेह है क्योंकि अर्जुनसिंह इस तरह की घोषणाएं करके उन्हें भूल जाने के आदी हैं।

वैसे इतनी अधिक मौतों के लिए अर्जुनसिंह की एक घोषणा भी जिम्मेदार है। जनता पार्टी के शासन काल में इस कारखाने के आसपास की बस्तियां खाली कराने का निर्णय लिया गया था। पर तभी इंदिरा कांग्रेस की सरकार आ गई। बाद में अर्जुनसिंह ने जब झुग्गी झोपडियों को मालिकाना हक देने की घोषणा की तो आसपास की एकएक इंच जमीन आबाद हो गई।

अब इस गैस दुर्घटना में मरने वालों में सर्वाधिक संख्या उन लोगों की है, जो आसपास की झुग्गी झोपडियों में रहते थे। अब ये झोंपडियां वीरान पड़ी हुई हैं। हां, उन पर इंदिरा कांग्रेस के झंडे अवश्य लहरा रहे हैं।

इसी तरह एक नाटक इस कारखाने के अमरीकी अध्यक्ष वारेन एंडरसन की गिरफ्तारी को लेकर हुआ। उन्हें गिरफ्तार कर के मुख्यमंत्री ने एक शानदार शब्दों वाला वक्तव्य जारी किया। मगर छः घंटे बाद ही वारेन एंडरसन को न केवल रिहा कर दिया गया, बल्कि उन्हें सरकारी विमान से नई दिल्ली पहुंचा दिया गया।

### *औद्योगीकरण की अंधी दौड़*

मध्यप्रदेश में औद्योगीकरण की अंधी दौड़ चल रही है। इस प्रदेश में प्रदूषण रोकने के लिए एक लंबा चौड़ा विभाग भी है, मगर दर्जनों कारखाने प्रदूषण फैला रहे हैं और अब तक इन कारखानों के विषैले पानी और पैसों से सैकड़ों लोग मर चुके हैं। नागदा के दो कारखानों के बारे में इस तरह की शिकायतें गत कई वर्षों से मिल रही हैं। इसी तरह मध्यप्रदेश में दर्जनों कीटनाशक दवाइयों के कारखाने भी शहरों के बीच चल रहे हैं।

भोपाल में प्रशासन सिर्फ एक ही काम कर रहा है कि जैसे भी हो मरने वालों की संख्या कम से कम बताई जाए। इस दृष्टि से पुलिस का पूरा अमला अस्पतालों और घरों से लाशें निकालकर उन्हें ठिकाने लगाने के काम में लगा हुआ है, ये लाशें श्मशानों और कब्रिस्तानों के अलावा नर्मदा नदी में भी ले जाकर फेंके जाने की खबरें सरगर्म हैं।

इस स्थिति का चोरों ने भी लाभ उठाया है। वीरान घरों में चोरियां हो रही हैं। जो थोड़े बहुत लोग लौटे हैं उनमें से कई के यहां चोरियां हुई हैं। पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने की फुरसत नहीं है।

### *लापता लोगों की खोज*

इस घटना के बाद सैकड़ों लोग लापता हैं। मध्यप्रदेश युवक इंदिरा कांग्रेस के अध्यक्ष सुरेश पचौरी ने इस पत्रकार से कहा कि उनके कार्यकर्ता लापता लोगों का पता लगाने के काम में जुट गए हैं और उन्हें इसमें सफलता भी मिली है।

दुर्घटना में अनाथ बच्चों के पुनर्वास का काम भारत स्काउट एवं गाइड ने शुरू किया है। इस संगठन के दो पदाधिकारी विष्णु राजौरिया एवं डी.एस. राघव ने बताया कि अनाथ बच्चों के पुनर्वास के लिए उनके संगठन के दो शिविर चल रहे हैं।

### *पूरे परिवार ही उजड़ गए*

भोपाल की भयानक गैस दुर्घटना में कई पूरे के पूरे परिवार उजड़ गए हैं ऐसा ही एक परिवार भगवानसिंह का है। 50 वर्षीय भगवान सिंह मेहनत मजदूरी करके पेट पालता था। इस दुर्घटना में उसकी पत्नी तथा तीनों पुत्रियां मारे गए। सारे परिवार में वही अकेला बचा है, पर वह भी अंधा हो गया है। 5 दिसम्बर तक वह अपने घर पर अकेला ही भूखा प्यासा पड़ा रहा। किसी ने न पूछा और न किसी प्रकार की सहायता दी। पर यह कहानी सिर्फ भगवान सिंह की ही कहानी नहीं है, बल्कि उन सैकड़ों लोगों की कहानी है, जिन्हें राहत नहीं मिल सकी। प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जब भोपाल पहुंचे तो उन्होंने देखा कि कुछ लोग राहत के लिए चंदा इकट्ठा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि राहत कार्यों के लिए सरकार पर्याप्त धन दे रही है, तब आप लोग क्यों चंदा इकट्ठा कर रहे हैं ?चंदा इकट्ठा करने वालों का उत्तर था कि सरकारी राहत जब मिलेगी, तब तक हजारों लोग भूख से मर चुके होंगे।(विनायक फीचर्स) *(यह लेख वरिष्ठ पत्रकार एवं विनायक फीचर्स के संस्थापक स्वर्गीय श्री दिनेश चंद्र वर्मा ने भोपाल की भीषणतम औद्योगिक दुर्घटना गैस त्रासदी के समय लिखा था।)*

---

# "सौर तूफानों से बचाएगा आदित्य-एल1, भारत का अंतरिक्ष में नया इतिहास!"

**इशिका मुख्य रिपोर्टर रांची झारखंड**
**न्यूज परिवहन विशेष**

भारत का पहला सौर मिशन 'आदित्य-एल1' ने अंतरिक्ष में अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। वैज्ञानिकों ने आदित्य-एल1 से मिली पहली बड़ी सफलता की घोषणा की है, जो न केवल विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को दर्शाता है, बल्कि पृथ्वी और अंतरिक्ष में मौजूद इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा को भी नई दिशा देता है। आइए, जानते हैं इस मिशन की पूरी कहानी ।₹

16 जुलाई को आदित्य-एल1 के सबसे महत्वपूर्ण उपकरण, 'विज़िबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ' (VELC), ने सूरज से निकली कोरोनल मास इजेक्शन (CME) की शुरुआत का समय दर्ज किया। ये CME सूरज की बाहरी परत से निकलने वाले बड़े आग के गोले होते हैं, जो चार्ज्ड पार्टिकल्स से बने होते हैं। इनकी गति 3000 किलोमीटर प्रति सेकंड तक हो सकती है और ये पृथ्वी के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं।

अगर ये आग के गोले पृथ्वी की तरफ बढ़ते हैं, तो पावर ग्रिड, सैटेलाइट्स और हमारे कम्युनिकेशन सिस्टम पर भारी असर डाल सकते हैं। लेकिन आदित्य-एल1 के जरिए हम इन्हें ट्रैक कर सकते हैं और समय रहते सुरक्षा उपाय कर सकते हैं।

**वैज्ञानिक प्रो. आर. रमेश का बयान-**

प्रोफेसर आर. रमेश के अनुसार, आदित्य-एल1 की तकनीक इतनी उन्नत है कि यह सूर्य की बाहरी परत 'कोरोना' को 24x7 देख सकता है। इससे वैज्ञानिक न केवल CME की शुरुआत का सटीक समय पता लगा सकते हैं, बल्कि उसकी दिशा भी ट्रैक कर सकते हैं।

अब तक नासा, यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ESA), जापान और चीन ने सूर्य के अध्ययन के लिए मिशन भेजे हैं। लेकिन आदित्य-एल1 ने भारत को इस विशिष्ट समूह का हिस्सा बना दिया है।

आदित्य-एल1 न केवल वैज्ञानिक अनुसंधान में मदद करेगा, बल्कि अंतरिक्ष और पृथ्वी पर जीवन को सुरक्षित रखने के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

इतिहास में कई बार CME ने गंभीर प्रभाव डाले हैं। 1859 की 'कैरिंगटन इवेंट' में टेलीग्राफ लाइन्स ठप हो गई थीं। 1989 में एक CME ने कनाडा के क्यूबेक में 6 मिलियन लोगों को नौ घंटे तक बिजली से वंचित कर दिया। ऐसे में आदित्य-एल1 का यह योगदान आने वाले खतरों से बचाव में मील का पत्थर साबित होगा।

भारत में आदित्य-एल1 के साथ-साथ कोडईकनाल, गौरीबिदनूर और उदयपुर स्थित तीन ग्राउंड ऑब्जर्वेटरी भी सूर्य पर नजर रखती हैं। इनकी मदद से सूर्य को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

भारत का आदित्य-एल1 मिशन वैज्ञानिक शोध और तकनीकी क्षमता का प्रतीक है। यह मिशन न केवल हमारे देश, बल्कि पूरी दुनिया को सौर गतिविधियों से सुरक्षित रखने में योगदान देगा। ऐसे मिशन हमें न केवल विज्ञान के करीब लाते हैं, बल्कि हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

आदित्य-एल1 जैसे मिशन भारत के वैज्ञानिक कौशल को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। आपकी क्या राय है इस मिशन पर ? हमें कमेंट में जरूर बताएं। और ऐसी ही खबरों के लिए देखते रहें हमारा चैनल।

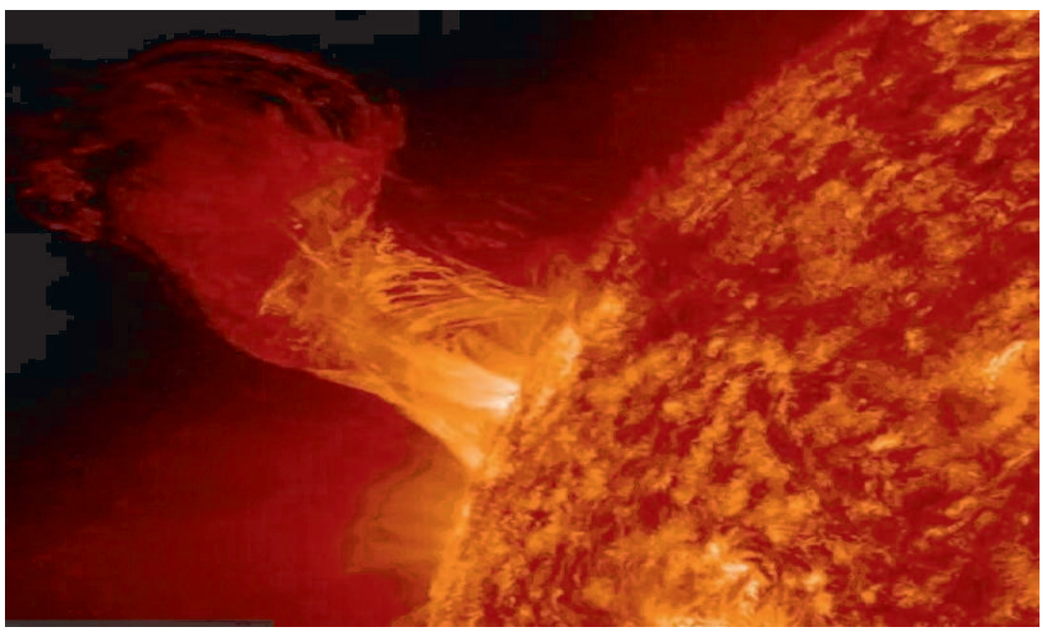

---

# हम सभ भारतीय एक ही दिशा में एक एक कदम चलते हैं तो एक साथ 142.8 करोड़ कदम आगे बढ़ते हैं

## विश्व को भारत की142.4 करोड़ जनसंख्या का बुद्धि कौछल, कार्यबल, शुभ संकल्प दिख़ाने का समय आ गया है- जनसंख्या वृद्धि की सकारात्मक सोच- एड किशन भावनानी

भारत के बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों, कौशलता निपुण विद्वानों, कुछल नेतृत्व धारक मनीषियों के विचारों का अण्खुट खज़ाना है हमारे देश में,हालांकि इनकी वैचारिक शक्ति का प्रयोग और क्रियान्वयन भी संस्कारों की जननी भारतमाता के गोद में किया जाता है ।परंतु वर्तमान समय में हमारे भारतवर्ष में जो एक विषय जोरों से चर्चा में है, उस पर बहुत गंभीरता से हर देशवासी को सकारात्मक सोचना होगा यह विषय है !142 करोड़ जनसंख्या के कार्यबल, बुद्धि कौशल और शुभ संकल्प का संपूर्ण क्षमता के साथ दोहन करना।

साथियों यह विषय अगर हर भारतीय नागरिक जिसमें राजनैतिक, शासन-प्रशासन, पक्ष विपक्ष, सभके समझ में आ गया है, उसका क्रियान्वयन पूर्ण स्केल के साथ करना शुरू हुआ तो दुनिया की कोई ताकत भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ विकसित देश बनाने में नहीं रोक सकती !

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम जापान के टोक्यो में क्वाड सम्मेलन में भाग लेने के दौरान भारतीय समुदाय से बातचीत की करें तो उन्होंने कहा

आज हिन्दुस्तान से 130 करोड़ लोग और मैं जापान में बैठे हुए लोगों की भी आंखों में वही देख रहा हूं 130 करोड़ देशवासियों का आत्मविश्वास, 130 करोड़ संकल्प, 130 करोड़ सपने और इस 130 करोड़ सपनों को पूर्ण करने का ये विराट सामर्थ्य परिणाम निश्चित लेके रहेगा दोस्तों। हमारे सपनों का भारत हम देखके रहेंगे। आज भारत अपनी सभ्यता, अपनी संस्कृति, अपनी संस्थाओं के, अपने खोये हुए विश्वास को फिर से हासिल कर रहा है

साथियों बात अगर हम कुछ अवधि से चर्चाओं में चल रहे विषय जनसंख्या नियंत्रण कानून की करें तो हालांकि नीतिगत फैसला अभी नहीं हुआ है। परंतु अभी ज़रूरत है वर्तमान ज़नसंख्या स्थिति को संज्ञान में लेकर उसके कार्यबल, बौद्धिक कौशलता का उपयोग करने के रणनीतिक रोडमैप बनाने की, क्योंकि भारत माता की मिट्टी के गुण इतने प्रभावी हैं कि यहां हर नागरिक में किसी न किसी कौशलता बुद्धिमता का गुण समाया हुआ है ! बस ! ज़रूरत है उसे तराशने की, उचित ट्रेनिंग देने की, जिसमें अगर हम सफ़ल हो जाते हैं तो रोज़गार मांगने वाला रोज़गार सृजन कर्ता बन जाएगा ! 135 करोड़ लोगों के हाथों में काम होगा तो हम भारतीय अर्थव्यवस्था को पांच क्या ? 25 ट्रिलियन डॉलर तक की अर्थव्यवस्था भी ले जाने की क्षमता रखते हैं !

साथियों अगर हम वैश्विक रचना पर नजर घूमांए तो हमारा एक राज्य यूपी,दुनिया के सबसे बड़ी जनसंख्या वाले देशों के पांचवे देश के नम्बर में है,तो हम विचार करें कि, हमारे एक संयुक्त भारत में आज राज्य 35 हैं तो हमसे बहुत छोटी जनसंख्या वाले देशों के नागरिकों के हाथ में काम है, और कौछलता है तथा उनका जीवन स्तर उच्चतर है, तो फिर भारत में तो अपेक्षाकृत अधिक बुद्धि कौशलता और कार्य करने की क्षमता और काबिलियत है ! बस जरूरत है उसे तराशने की जो काम राजनीतिक कौशलबुद्धि और वैचारिक एकता के मंत्र को अपनाने पर क्रियान्वयन होगा।

साथियों बात अगर हम 135 करोड़ साथियों के कार्यबल बुद्धि कौशलता के निखार की करें तो हालांकि अलग-अलग मंत्रालयों के तहत कार्य योजनाएं चलाई जा रही है। परंतु मेरा एक सुझाव है जिस तरह से सेनाओं के तीनों अंगों के लिए एक पीडीएफ पद का सृजन कर नियुक्ति की गई है ठीक उसी प्रकार 135 करोड़ जनसंख्या के लिए अलग-अलग मंत्रालयों के तहत कार्यबल बुद्धि कौशलता क्षमता का उपयोग करने बनाए गए अपने-अपने विभाग के रणनीतिक रोडमैप को एक सूत्रीय पद याने एक विशेष मंत्रालय बनाकर यानें तालमेल के लिए उस मंत्रालय का सृजन कर माननीय पीएम के अंतर्गत दिया जाए तो इस कार्य में तीव्रता से वृद्धि होगी और हमारी 135 करोड़ जनसंख्या की कार्यक्षमता और उनकी कौछल क्षमता के दोहन का अभूतपूर्व विकास होगा और हम शीघ्र ही लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे और आत्मनिर्भर बहुत तेज़ी से बनेंगे ।साथियों बात अगर हम जातिगत, राजनीतिक स्थिति आंदोलनों, आरक्षण की लड़ाई की करें तो मेरा मानना है कि अगर 135 करोड़ पूरी जनसंख्या को उनके कार्यबल और कौछलता का आभास करा कर उनको निख़ारा जाएगा तो उनको यह एहसास कराकर सफ़लता की चाबी उनको दी गई, तो उपरोक्त सभी मामलों का अंत होने की भी संभावना है, क्योंकि हर हाथ में रोज़गार होगा तो जातीयता, आरक्षण, राजनीति, नकारात्मकता की ओर किसी का ध्यान नहीं जाएगा, हालांकि अगर हम इस मुद्दे को नकारात्मकता से संज्ञान में लेकर विश्लेषण करें तो नकारात्मक रिजल्ट ही निकलेगा इसीलिए हमें इस विषय को सकारात्मकता से संज्ञान में लेने की ज़रूरत है।

साथियों बात अगर हम कुछ कुछ समय पहले केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम के संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी 135 करोड़ जनसंख्या के बारे में कहा कि आज़ादी का अमृत महोत्सव भारत के उज्ज्वल भविष्य और विश्व में भारत को उन्नत स्थान दिलाने के लिए मन में आशा जगाने, संकल्प लेने और अपने कार्यों से इन आशाओं को पूरा करने का है। उन्होंने कहा कि भारत 130 करोड़ की आबादी वाला देश है और अगर सभी 130 करोड़ भारतीय आज़ादी के अमृत महोत्सव में एक-एक संकल्प लें तो एक बहुत बड़ी शक्ति बन जाएगी।

अगर हम सब भारतीय एक ही दिशा में एक एक कदम चलते हैं, तो हम सब एक साथ 130 करोड़ कदम आगे बढ़ते हैं। ये हम सबकी ज़िम्मेदारी है कि हम आज़ादी के अमृत महोत्सव को प्रेरणा का एक स्रोत व चेतना जागृत करने का माध्यम बनाकर भारत के विकास का राजमार्ग बनाएं।

अतः अगर हम उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ एक और एक ग्यारह बने। हम सब भारतीय एक ही दिशा में एक एक कदम चलते हैं तो हम सब एक साथ 135 करोड़ कदम आगे बढ़ते हैं,विश्व को भारत की 135 करोड़ जनसंख्या का बुद्धि कौशलता, कार्यबल, शुभ संकल्प दिखाने का समय आ गया है।

# आप विधायक बाल्यान और गैंगस्टर कपिल सांगवान के बीच इस वजह से बिगड़ी बात, हुई थी गाली-गलौज

सुषमा रानी

दिल्ली के आम आदमी पार्टी (आप) विधायक नरेश बाल्यान की कुख्यात गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू से संबंधों की जांच क्राइम ब्रांच कर रही है। नंदू पर लंदन से दिल्ली-एनसीआर में रंगदारी हत्या प्रॉपर्टी पर कब्जा और अन्य आपराधिक गतिविधियों के आरोप हैं। भाजपा नेता की शिकायत के बाद बाल्यान को गिरफ्तार किया गया है। ऑडियो की पुष्टि के लिए जांच जारी है।

**नई दिल्ली।** दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू से उत्तम नगर से आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक नरेश बाल्यान के बीच संबंधों का क्राइम ब्रांच पता लगाने में जुट गई है। सांगवान पर पांच साल से अधिक समय से लंदन में रहकर दिल्ली-एनसीआर में रंगदारी रैकेट, सुपारी लेकर हत्या कराने, प्रॉपर्टी पर कब्जा व अन्य आपराधिक वारदात करवाने का आरोप है।

भाजपा नेता की शिकायत पर शनिवार को नंदू और बाल्यान के कुछ ऑडियो सार्वजनिक तौर पर सामने आने के बाद आप विधायक को गिरफ्तार कर लिया। आवाज की पुष्टि उन दोनों के करीबी दो लोगों द्वारा करवाई गई और बयान दर्ज किया गया।

आवाज के बारे में सच्चाई का पता लगाने के लिए ऑडियो को जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लैब, रोहिणी भेज दिया गया है।

**यहां बिगड़ी विधायक की नंदू से बात**

मामला पिछले साल जून का है। कपिल से धमकी मिलने पर कुछ पीड़ितों का पक्ष लेने पर बाल्यान की नंदू से बात बिगड़ गई थी, जिस पर नंदू ने बाल्यान के साथ हुई बातचीत के चार-पांच ऑडियो अपने फेसबुक अकाउंट पर अपलोड कर दिया था।

**नंदू ने रंगदारी न देने पर करवाई थी मटियाला की हत्या**

पुलिस सूत्रों के अनुसार, नंदू ने पिछले साल अप्रैल में मटियाला से निगम पार्षद रह चुके भाजपा किसान मोर्चा के नेता सुरेंद्र मटियाला को लंदन से कॉल करके धमकी दी और करोड़ों रुपये रंगदारी मांगी थी। पैसे देने से इनकार करने पर नंदू के निर्देश पर उसके गुर्गों ने 14 अप्रैल 2023 को द्वारका जिला के बिंदापुर थाना क्षेत्र में अपने कार्यालय में बैठे सुरेंद्र मटियाला की हत्या कर दी थी।

उनके सिर में 12 गोलियां मारी गईं थीं। बाद में क्राइम ब्रांच ने शूटरों को गिरफ्तार कर लिया था। उस घटना के बाद नंदू ने बाल्यान समेत कई प्रॉपर्टी डीलर व अन्य व्यवसायियों को धमकी देकर रंगदारी मांगी थी। धमकी से बाल्यान डर गए थे।

**'मेरे पीछे क्यों पड़े हो, मैंने क्या बिगाड़ा है'**

उन्होंने पहले नंदू के खास लोगों से उसे फोन करवा सिफारिश कराने की कोशिश की थी, लेकिन वह उस तक पहुंच नहीं पाए थे। नंदू, बाल्यान को लगातार धमकी देता रहा। एक बार बाल्यान ने नंदू से कहा कि तुम मेरे पीछे क्यों पड़े हो, मैंने तुम्हें क्या बिगाड़ा है...। इस पर नंदू ने विधायक से पैसे भेजने की मांग की थी।

**दो पीड़ितों ने नंदू से बचाने की बाल्यान से मिलकर लगाई गुहार**

उसी दौरान नंदू ने रंगदारी के लिए गुरवंत पंत समेत अन्य लोगों को भी धमकी दी थी, इसके बाद गुरवंत और एक अन्य शख्स ने बाल्यान से मुलाकात कर नंदू से बचाने की गुहार लगाई थी। इस बात की जानकारी नंदू को अपने गुर्गों से मिल गई, फिर उसने बाल्यान को कॉल कर आपत्ति जताई थी। इस पर बाल्यान ने नंदू को खुद आपस में बात कर लेने को कहा था।

**नंदू के खिलाफ दर्ज हुआ केस**

मामला सुलझता न देख जून 2023 में गुरवंत ने मोहन गार्डन थाने में नंदू के खिलाफ शिकायत कर केस दर्ज करवा दिया था। इस बात की जानकारी नंदू को मिलने पर उसने बाल्यान को फोन कर पूछा कि आपने मेरे खिलाफ केस भी दर्ज करवा दिया। उन्होंने केस दर्ज कराने में खुद की भूमिका से इनकार किया था।

**नंदू और बाल्यान के बीच हुई गाली-गलौज**

बाल्यान ने नंदू को यह भी बताया था कि दो पीड़ित अभी भी उनके यहां बैठे हुए हैं वे खुद आपस में डील कर लें। इस बात पर नंदू और बाल्यान के बीच जमकर गाली-गलौज व बहस हुई थी। उसी के बाद नंदू ने बाल्यान को बदनाम करने के मकसद से पिछले साल जून में दोनों के बीच हुई बातचीत के चार-पांच ऑडियो अपने फेसबुक पर अपलोड कर दिया था।

**भाजपा नेता ने की कार्रवाई की मांग**

उक्त वीडियो सार्वजनिक तौर पर सामने न आने के कारण उस दौरान दिल्ली पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। शनिवार को उक्त पुराने ऑडियो को भाजपा नेता द्वारा सार्वजनिक तौर पर सामने ले आने पर क्राइम ब्रांच को कार्रवाई करनी पड़ी। आवाज की पुष्टि करने के लिए दो लोगों के बयान दर्ज करने के बाद क्राइम ब्रांच ने बाल्यान को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधिकारी का कहना है कि बाल्यान के खिलाफ पहले का एनडीपीएस एक्ट में एक मामला दर्ज है। विधानसभा चुनाव के दौरान बाल्यान के ठिकाने से भारी मात्रा में शराब पकड़ी गई थी। उक्त मामले में उन्हें गिरफ्तार थाने से जमानत दे दी गई थी।

# आम आदमी पार्टी गुंडो की पार्टी बन गई है गौरव भाटिया

सुषमा रानी

**दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता की।

गौरव भाटिया ने कहा कि आआपा गुंडों की पार्टी बन गई है। गैंगस्टर आआपा के सबसे बड़े समर्थक हैं। ये लोग खुलेआम धन उगाही करते हैं और आआपा नेताओं के निर्देश पर आम आदमी को धमकाया जाता है।

भाटिया ने कहा, "कट्टर बेईमान और पापी आप अब कट्टर गुंडों की पार्टी बन गई है।"

उन्होंने कहा कि एक ऑडियो क्लिप सामने आया है, जिसमें आआपा विधायक नरेश बालियान एक गैंगस्टर से बातचीत कर रहे हैं। इसमें वह एक गैंगस्टर से एक बिल्डर से पैसे वसूलने के लिए कह रहे हैं।

सचदेवा ने आम आदमी पार्टी विधायकों के कदाचार की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से तत्काल जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि दोषी पाए गए लोगों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। आआपा के कार्यों ने दिल्ली को अपराधियों का गढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

भाजपा की ओर से दो क्लिप जारी की गई हैं। एक में आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बालियान एक गैंगस्टर से बातचीत कर रहे हैं। गैंगस्टर पूछता है कि आआपा नेता ने उसके खिलाफ शिकायत क्यों दर्ज कराई है। बालियान ने जवाब दिया कि उसे गैंगस्टर और उसके गुंडों द्वारा ब्लैकमेल किया जा रहा था। गैंगस्टर जवाब देता है कि वह बालियान की कुछ रिकॉर्डिंग वायरल कर देगा, जिसे सुनकर विधायक पलट जाता है। एक अन्य बातचीत में आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बालियान का एक करीबी सहयोगी एक गैंगस्टर से जमीन सौदे के बारे में बात कर रहा है और कई अन्य व्यापारियों को ब्लैकमेल कर रहा है।

# राम लीला मैदान में उमड़ा जन सैलाब, दलित, ओबीसी, मॉइनोरिटीज एवं आदिवासी (डोमा) परिसंघ के तत्वावधान में दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली का आयोजन, मल्लिकार्जुन खरगे भी हुए शामिल

सुषमा रानी

**नई दिल्ली।** दलित, ओबीसी, मॉइनोरिटीज एवं आदिवासी (डोमा) परिसंघ के तत्वावधान में आज दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली का आयोजन किया, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। रैली को मुख्य रूप से कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सिर्फ़ और सिर्फ़ लोगों को धर्म, जाती के नाम पर बांटने का काम किया है और यही कारण है कि देश में बेरोजगारी और महंगाई आसमान छू रही है। यह नारा देते हैं कि बटेंगे तो कटेंगे जबकि बांटने वाले भी यही हैं और काँटने वाले भी यही हैं। उन्होंने ई वी एम बैन करने की मांग की और वक़्फ़ अमेंडमेट बिल व मस्जिदों में हो रहे सर्वे पर भी आपत्ति दर्ज की।

डोमा परिसंघ के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. उदित राज ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आज रामलीला मैदान से ऐलान किया जाता है कि 80:20 करने वालों को 15:85 से जवाब दिया जाएगा। दलित, ओबीसी एवं आदिवासियों की संख्या देश मे 85 प्रतिशत है और ये आपस में एक-दूसरे के अधिकारों का हनन नहीं करते। जातिवादी एवं मानुवादी ताकतें इनको आपस में लड़ाती रहती हैं। डॉ. उदित राज ने कहा कि क्या मण्डल का विरोध मुसलमानों ने किया। क्या मुसलमानों ने मण्डल के विरोध में कोई रथ यात्रा निकाली? क्या मुसलमान जाति जनगणना का विरोध कर रहे हैं। प्रतिदिन 6 दलित महिला का रेप होता है, क्या मुसलमान करते हैं? 2018 से लैटरल एंट्री के माध्यम से आईएएस की भर्ती हो रही है, लेकिन उसमें दलित, ओबीसी का आरक्षण नहीं था। क्या इस अधिकार की कटौती मुसलमानों ने किया? निष्कर्ष यह निकलता है कि दलित, ओबीसी, मॉइनोरिटी एवं आदिवासी एक हों और संविधान तथा आरक्षण बचाएं, जाति जनगणना के लिए संघर्ष करें, ईवीएम के स्थान पर बैलट पेपर से चुनाव हो, आरक्षण की सीमा 50% से बढ़ाई जाए।

डोमा परिसंघ के राष्ट्रीय महासचिव, एड. शाहिद अली ने अपने संबोधन में कहा कि वक्फ की जानकारी जितना मैं रखता हूँ देश में शायद ही कोई हो। मैंने वक्फ के बहुत मुकदमे लड़ें हैं और देखा है कि वक्फ की तमाम संपत्तियों पर कब्जा किया गया है। वक्फ प्रॉफ़टि मोहम्मद के समय से ही चल आ रहा है और अंग्रेजों ने भारत में 1931 में वक्फ की संपत्तियों का सर्वे कराया था। उन्होंने कहा कि यह कहना की वक्फ किसी सरकार या व्यक्ति की देन है, गलत है, वक्फ बिल वापिस होना चाहिए। अब दलित, आदिवासी हमारे साथ है तो हम इस बिल को पास नहीं होने देंगें।

देश के जाने-माने ओबीसी के नेता श्री हनुमंत राव ने कहा कि जाति जनगणना कराकर रहेगे। डोमा के साथ पूरे देश में जाति जनगणना के लिए अभियान चलाएंगें। उन्होंने ओबीसी समाज से आवाहन किया कि उनका साथ छोड़ो जो जाति जनगणना के विरोध में हैं।

श्री रामलू नायक (पूर्व एमएलसी) ने कहा कि आदिवासियों को वनवासी कहा जाता है। आरएसएस, एकल विद्यालय के माध्यम से आदिवासियों के दिलों-दिमाग में मुसलमानों के खिलाफ नफरत भरती रहती है, जबकि मुस्लिम कभी भी आदिवासियों के आरक्षण का विरोध नहीं करता।

मंच संचालन श्री सतीश कुमार सांसी, राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर एवं प्रो. रवि महिंद्रा, राष्ट्रीय महासचिव ने किया। रैली के विशिष्ट अतिथि नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री उपेन्द्र यादव, इनके अतिरिक्त सांसद श्री तारिक अनवर, गुरदीप सप्पल, सांसद – श्री मनोज कुमार, दिल्ली कांग्रेस प्रभारी काजी निजामुद्दीन, विधायक मामन खान एवं आफ़ताभ, पूर्व विधायक गायसुद्दीन शेख, परवेज मियां ने संबोधित किया। रैली में डोमा परिसंघ के पूरे देश के विभिन्न राज्यों के पदाधिकारियों के साथ हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया।

# बीजेपी ने तैयार की दिल्ली चुनाव के संभावित उम्मीदवारों की लिस्ट! भाजपा नेताओं ने की अहम बैठक

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए बीजेपी ने कमर कस ली है। रविवार को पार्टी के नेताओं ने एक अहम बैठक की। बैठक में दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा समेत अन्य नेता मौजूद रहे। पार्टी 8 दिसंबर से परिवर्तन यात्रा शुरू करेगी। इसमें दिल्ली भर में वर्तमान आप सरकार की नाकामियों के बारे में जनता को बताया जाएगा।

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए एक बैठक की। इसमें दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा समेत अन्य नेता मौजूद रहे। बता दें, दिल्ली में विधानसभा चुनाव 2025 की शुरुआत में होने की संभावना है। हालांकि, चुनाव आयोग ने अभी तक तारीखों की घोषणा नहीं की है।

बीजेपी सांसद कमलजीत सहरावत ने बताया कि पार्टी दिल्ली चुनाव में उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है। बूथ लेवल से लेकर प्रदेश नेतृत्व के स्तर तक पार्टी की क्या रणनीति रहेगी, इसको लेकर हमारा प्रयास जारी है। 8 दिसंबर से पार्टी परिवर्तन यात्रा शुरू करेगी। इसमें वर्तमान सरकार की नाकामियों के बारे में जनता को बताया जाएगा।

**आप ने 11 उम्मीदवारों की सूची जारी की**

इससे पहले 21 नवंबर को, आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में विधानसभा चुनावों के लिए 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। पार्टी ने छतरपुर, किराड़ी, विश्वास नगर, रोहताश नगर, लक्ष्मी नगर, बदरपुर, सीलमपुर, सीमापुरी, घोंडा, करावल नगर और मटियाला सीटों सहित निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की।

सूची के मुताबिक छतरपुर से ब्रह्म सिंह तंवर, किराड़ी से अनिल झा, विश्वास नगर से दीपक सिंगला, रोहताश नगर से सरिता सिंह, लक्ष्मी नगर से बीबी त्यागी, बदरपुर से राम सिंह नेता जी, सीलमपुर से चौधरी जुबैर अहमद, वीर सीमापुरी से सिंह धिंगन, घोंडा से गौरव शर्मा, करावल नगर से मनोज त्यागी और मटियाला से सुमेश शौकीन आप के टिकट पर मैदान में हैं।

**बागी नेताओं को पार्टी ने दिया टिकट**

भाजपा से आए ब्रह्म सिंह तंवर, अनिल झा और बीबी त्यागी तथा कांग्रेस छोड़कर आए चौधरी जुबैर अहमद, वीर सिंह धिंगान और सुमेश शौकीन को आप ने टिकट दिया है। पार्टी ने तीन मौजूदा विधायकों मटियाला से गुलाब सिंह यादव, किराड़ी से ऋतुराज झा और सीलमपुर से अब्दुल रहमान को टिकट नहीं दिया है। छतरपुर निर्वाचन क्षेत्र से आप विधायक करतार सिंह तंवर को विधायक के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया। वह हाल ही में भाजपा में शामिल हुए थे।

**AAP ने पूर्ण बहुमत हासिल किया और 70 में से 62 सीटें जीतीं**

दिल्ली में पिछला विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था। 2020 के विधानसभा चुनावों में, AAP ने पूर्ण बहुमत हासिल किया और 70 में से 62 सीटें जीतीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सिर्फ 8 सीटें जीतने में सफल रही, जबकि कांग्रेस को अपना खाता खोलने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

# एसटी मोर्चा महरौली जिला उपाध्यक्ष हिमांशु मीणा को सोशल मीडिया संयोजक की भी जिम्मेदारी

परिवहन विशेष न्यूज

**नई दिल्ली।** महरौली जिला भाजपा के समर्पित, निष्ठामन युवा कार्यकर्ता हिमांशु मीणा महरौली जिला भाजपा एसटी मोर्चा के उपाध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का भरपूर निर्वाह कर रहे हैं। निस्वार्थ भाव से पार्टी की सेवा करने वाले हिमांशु मीणा को अब अंबेडकर नगर विधानसभा सोशल मीडिया संयोजक की भी जिम्मेदारी दी गई है। श्री मीणा ने कहा कि पार्टी जो भी जिम्मेदारी मुझे देगी उसका मैं भरपूर निर्वाह करूंगा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाना हम सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। इसके लिए वह घर-घर जाकर लोगों से संपर्क कर मोदी सरकार की उपलब्धियों, नीतियों एवं कार्यों के बारे में बता रहे हैं। आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली को किस तरह से धोखा दिया है, इसकी जानकारी भी वह जन-जन तक पहुंचा रहे हैं।

अंबेडकर नगर विधानसभा सोशल मीडिया संयोजक बनाए जाने पर हिमांशु मीणा ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

# पंचशील पार्क में बुजुर्ग की हत्या से हर कोई डरा हुआ, अमित शाह जी, दिल्ली के बढ़ते अपराध पर कब लेंगे एक्शन? - केजरीवाल

पीड़ित परिजनों से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम अभी पंचशील पार्क में हैं जो दिल्ली का एक तरह से सबसे पॉश इलाका माना जाता है। यहां पर अभी कुछ दिन पहले एक 64 साल के बुजुर्ग की गला काटकर और उनके शरीर को चाकुओं से गोदकर निर्मम हत्या कर दी गई थी।

सुषमा रानी

**नई दिल्ली।** साउथ दिल्ली के पंचशील पार्क इलाके में हुई बुजुर्ग की हत्या मामले में शनिवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उनके परिजनों से मुलाकात की। वह शाम करीब चार बजे मृतक के परिजनों से मिलने पहुंचे थे। अरविंद केजरीवाल ने परिजनों से हत्या के बारे में जानकारी ली और उन्हें हर संभव मदद देने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि पंचशील पार्क में बुजुर्ग की हुई निर्मम हत्या से दिल्ली में हर कोई डरा हुआ है। अमित शाह जी, दिल्ली के बढ़ते अपराध पर आखिर कब एक्शन लेंगे? उन्होंने कहा कि व्यापारियों को फिरौती की कॉल आ रही है, शूटआउट हो रहे हैं और महिलाएं तक असुरक्षित हैं, दिल्ली में चारों तरफ अपराध ही अपराध हो रहा है। इसके बावजूद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कोई एक्शन नहीं ले रहे हैं।

पीड़ित परिजनों से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम अभी पंचशील पार्क में हैं जो दिल्ली का एक तरह से सबसे पॉश इलाका माना जाता है। यहां पर अभी कुछ दिन पहले एक 64 साल के बुजुर्ग की गला काटकर और उनके शरीर को चाकुओं से गोदकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। मैं अभी-अभी उनके परिवार से मिलकर आ रहा हूं। हम उनके घर के सामने ही खड़े हैं। उनका परिवार बहुत सदमे और दुख में है। क्योंकि पता नहीं चल पा रहा है कि यह क्यों और कैसे हुआ। वह दिल्ली के वरिष्ठ नागरिक थे।

उन्होंने कहा कि इस घटना से अन्य सीनियर सिटीजन भी सदमे में हैं। व्यापारियों को फिरौती की कॉल आ रही हैं। दिल्ली में शूटआउट्स हो रहे हैं। महिलाएं असुरक्षित हैं। पूरी दिल्ली में बुरी तरह से अफरा-तफरी मची हुई है। चारों तरफ क्राइम ही क्राइम हो रहा है। मैं अमित शाह से कहना चाहता हूं कि आप कब इसके खिलाफ एक्शन लेंगे। जब से अमित शाह गृह मंत्री बने हैं, तब से दिल्ली के अंदर स्थिति बद से बद्तर होती जा रही है। इनसे दिल्ली संभल नहीं रही है। दिल्ली का बहुत बुरा हाल हो गया है। मैं उम्मीद करता हूं कि आने वाले दिनों में स्थिति में कुछ सुधार हो।

# नोएडा एयरपोर्ट को जोड़ने वाली सड़क को चौड़ा करने का काम शुरू, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने शुरू की तैयारी

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा एयरपोर्ट से अगले साल उड़ान शुरू होने वाली है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने एयरपोर्ट तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 130 मीटर रोड को चौड़ा करने का काम शुरू कर दिया है। पहले चरण में 8 किलोमीटर रोड का चौड़ीकरण पूरा हो चुका है अब 9 किलोमीटर रोड और चौड़ा किया जाएगा। इसके लिए 50 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

**ग्रेटर नोएडा।** नोएडा एयरपोर्ट से अगले साल उड़ान शुरू करने की तैयारी है। नोएडा, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासी एयरपोर्ट तक आसानी से जा सकें और उनको ट्रैफिक जाम न झेलना पड़े, इसकी तैयारी में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण (Greater Noida Authority) जुट गया है।

प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा वेस्ट और ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाले 130 मीटर रोड को चौड़ा करा रहा है। प्राधिकरण 27 किलोमीटर रोड में से 8 किलोमीटर के चौड़ीकरण का कार्य पहले ही पूरा कर चुका है, अब नौ किलोमीटर रोड और चौड़ा करने जा रहा है। इसके लिए 50 करोड़ रुपये स्वीकृत कर दिए गए हैं। टेंडर प्रक्रिया पूरी कर जनवरी में काम शुरू करने की तैयारी है।

**एयरपोर्ट शुरू होने पर बढ़ेगा दबाव**

ग्रेटर नोएडा वेस्ट, नोएडा फेस थ्री और गाजियाबाद के हजारों लोग रोजाना सफर करते हैं। एयरपोर्ट शुरू होने के बाद ट्रैफिक का दबाव और बढ़ेगा। इससे निपटने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने 130 मीटर रोड को चौड़ा कराने को निर्णय लिया।

**दूसरे फेज का काम होगा शुरू**

इस पर काम शुरू हो चुका है। इसे अलग-अलग फेज में बनाया जा रहा है। पहले फेज का काम पूरा हो चुका है, जिसके अंतर्गत 8 किलोमीटर रोड का चौड़ीकरण पूरा हो गया है। दूसरे फेज का काम जनवरी में शुरू करने की तैयारी है। इस बीच टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

**छह माह में काम होगा पूरा**

काम शुरू होने से पूरा होने तक 6 माह लगेंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने बताया कि इस फेज में 9 किलोमीटर चौड़ीकरण का कार्य होगा। कार्य शुरू होने के बाद छह माह लगेंगे। लगभग 50 करोड़ रुपये खर्च होने का आकलन है। उन्होंने बताया कि अगले फेज में शेष 10 किलोमीटर के कार्य को संपन्न कराया जाएगा।

# रेस लगाने के चक्कर में दो बाइक आपस में भिड़ीं, युवती समेत चार घायल

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद के हापुड़ रोड पर शनिवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ जिसमें दो बाइक की रेस के दौरान आपस में टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार युवती समेत चार लोग घायल हो गए। सभी घायल दिल्ली के मौजपुर के रहने वाले हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिनमें से युवती की हालत गंभीर बताई जा रही है।

**गाजियाबाद।** हापुड़ रोड पर शनिवार देर रात सेठ मुकंद लाल स्कूल के पास तेज रफ्तार दो बाइक रेस लगाते हुए आपस मे टकरा गई। हादसे में बाइक सवार युवती और तीन युवक घायल हुए हैं। सभी घायल दिल्ली के मौजपुर निवासी हैं।

शनिवार रात करीब 11 बजे पुराने बस अड्डे से हापुड़ तिराहे जाने वाली लेन पर दो तेज रफ्तार बाइक आपस में टकरा गई। हादसे में दिल्ली के मौजपुर निवासी आरव, शरीफ, कैफ और सृष्टि राजपूत सवार थे। घायलों को पुलिस और राहगीर अस्पताल लेकर गए। युवती की हालत गंभीर होने पर दिल्ली रेफर कर दिया गया है, जबकि कैफ अस्पताल को बिना सूचना दिए चला गया।

**घटना के समय बाइक की रफ्तार 100 किमी प्रतिघंटा थी**

पुलिस का कहना है कि मामले में अभी कोई शिकायत नहीं मिली है। राहगीर रौनक का कहना है कि घटना के समय दोनों बाइक की रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटा से भी ज्यादा लग रही थी। सेठ मुकुंदलाल स्कूल के सामने लाल बत्ती पर बाइक अनियंत्रित होकर टकरा गई थीं। उन्होंने देखा कि युवक आरव के होंठ पर चोट लगी और शरीफ की आंख पर चोट लगी।

# प्रशासन की इस पहल से साइबर सिटी होगी साफ-सुथरी, डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन कर रहे निजी वाहन भी होंगे जब्त

गुरुग्राम की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए मंडलायुक्त आरसी बिढ़ान ने अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में अवैध रूप से दिल्ली से आने वाले कूड़े दुकानों के बाहर कूड़े के सही तरीके से निस्तारण न किए जाने और गांव चकरपुर के प्रवेश द्वार पर प्राइवेट संस्थानों द्वारा कूड़ा डाले जाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। मंडलायुक्त ने इन समस्याओं के समाधान के लिए सख्त निर्देश दिए।

**गुरुग्राम।** गुरुग्राम जिले की सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए मंडलायुक्त आरसी बिढ़ान ने विधायक मुकेश शर्मा की मौजूदगी में अधिकारियों के साथ शुक्रवार को बैठक की। इसमें स्वच्छता अधिकारियों की कार्यशैली पर नाराजगी जाहिर की गई। बैठक में निर्देश दिया गया कि शहर में जहां कहीं भी प्राइवेट लोग डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन कर पैसे वसूल रहे हैं।

ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर उनके वाहनों को जब्त किया जाए। सफाई अभियान की मॉनिटरिंग के लिए नियुक्त सभी संबंधित अधिकारी अपने वार्ड में सुबह व शाम सफाई कर्मचारियों का हाजिरी रजिस्टर जरूर चेक करें ताकि लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

पिछले कुछ महीनों से साइबर सिटी की सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। बैठक पर बैठक आयोजित की जा रही है लेकिन स्थिति नियंत्रण में नहीं। इसे देखते हुए मंडलायुक्त आरसी बिढ़ान ने अधिकारियों के साथ लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हाल में बैठक की। बैठक में विशेष रूप से मौजूद विधायक मुकेश शर्मा ने कहा कि अवैध रूप से दिल्ली से आने वाला कूड़ा शहर की सफाई व्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। मध्यरात्रि के समय गुरुग्राम के बजघेड़ा, सेक्टर 21, वजीराबाद व कार्टरपुरी में निरंतर से दिल्ली से आने वाले गाड़ियों द्वारा कूड़ा डंप किया जा रहा है।

इस पर मंडलायुक्त ने नगर निगम के संयुक्त आयुक्त, जिला प्रशासन व पुलिस विभाग व आरटीए विभाग से एक-एक अधिकारी की चार सदस्यीय टीम गठित कर रात्रि के समय विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने विधायक की शिकायत पर शहर में दुकानों के बाहर कूड़े का सही तरीके से निस्तारण नहीं किए जाने के संबंध में निगम अधिकारियों को ऐसे दुकानदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निगम अधिकारी सभी दुकानदारों को आगाह करते हुए यह सुनिश्चित करें कि वे दुकानों के बाहर डस्टबीन जरूर रखें। इसके बाद भी यदि कोई दुकानदार नियमों की अवहेलना करता है तो उसका चालान किया जाए। विधायक ने यह भी कहा कि गांव चकरपुर के प्रवेश द्वार पर प्राइवेट संस्थानों द्वारा कूड़ा डाला जा रहा है। जिससे उस रास्ते पर लोगों की आवागमन भी प्रभावित हो रहा है।

# 32 लोगों ने हजारों लोगों से करोड़ों ठगे, बनाई टूर पैकेज की फर्जी कंपनी; कर्नाटक-पुणे से शिकायत पर हुआ खुलासा

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा में छुट्टियों के टूर पैकेज के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 32 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोगों को हॉलिडे टूर पैकेज की बुकिंग कराते थे फिर पैसे लेकर गायब हो जाते। लोगों को कोई जवाब नहीं देते थे। जानिए कैसे ये कंपनी लोगों को ठग रही थी और क्या है पूरा मामला।

**नोएडा।** पुलिस ने शनिवार को सेक्टर-63 थाना क्षेत्र के ए और एच ब्लॉक में कंट्री हॉलिडे ट्रैवल इंडिया लिमिटेड की ओर से टूर पैकेज की सुविधा के नाम पर धोखाधड़ी करने का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने दो कार्यालयों से 15 पुरूष व 17 महिला स्टाफ को गिरफ्तार किया। शातिर दो साल में करीब हजारों लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी कर चुके हैं।

अभी कंपनी का निदेशक विशाल समेत सेल्स व एडिमिन टीम के आकाश, दीपक, ज्योति, श्रेयस फरार हैं। दैनिक जागरण ने पुणे के पीड़ित दिव्यांग विनय हरि सिंह की शिकायत को प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

**84 हजार रुपये का लिया पैकेज**

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्तिमोहन अवस्थी ने बताया कि बृहस्पतिवार को आम्रपाली इडेन पार्क की अनिता ने कंट्री हॉलिडे ट्रैवल इंडिया लिमिटेड के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। हॉलिडे बुकिंग के लिए ज्योति और श्रीयश चौधरी ने नौ दिन की यात्रा के लिए आईटीसी के होटल बुकिंग के नाम पर 84 हजार रुपये का पैकेज दिया था।

**कॉलिंग और टेक सेटअफ दोनों थे अलग**

बुकिंग कंफर्म नहीं होने पर पैसे भी वापस नहीं लौटाए थे। जांच के दौरान पांच ऑनलाइन व पुणे से एक अन्य लिखित शिकायत मिली। टीम को ए ब्लॉक में कंपनी का कॉलिंग सेटअफ व एच ब्लॉक में टेक सेटअप (Tech Set up) मिला। मौके से 32 स्टाफ को पकड़ा गया। उनसे चार लैपटॉप, तीन मॉनिटर, चार कीबोर्ड, तीन सीपीयू, तीन माउस, दो राउटर, तीन आईपैड, एक मोबाइल व अन्य सामान बरामद हुआ।

**पैकेज के नाम पैसे लेकर नहीं देते सेवा**

पूछताछ में बताया कि डार्कवेब से डाटा खरीदकर गैजेट्स व वाहन खरीदने वाले लोगों से संपर्क करते। आईटीसी, टेक महिंद्रा, इंडियन होटल जैसी नामी कंपनी से टाईअप होने का दावा करते। देश के अंदर ही टूर एंड ट्रैवल के पैकेज के नाम पर 75 से दो-तीन लाख रुपये तक मैंबरशिप बेचते, लेकिन लोगों को सेवाएं उपलब्ध नहीं कराते थे।

शिकायत मिलने पर लोगों को टरकाते थे और अंत में नंबर को ब्लाक कर देते। पूर्व में मगाडी रोड बैंगलुरू पुलिस की ओर से कंपनी के खाते को फ्रीज कराया जा चुका है। अब सेक्टर 63 थाना पुलिस ने कंपनी के दो खातों को फ्रीज किया है।

यूपी, बिहार, हरियाणा, दिल्ली का स्टाफ

गिरफ्तार पुरूष आरोपियों की पहचान दिल्ली कृष्णा नगर के रवनीत सिंह, बिहार मुजफ्फरपुर के प्रत्युश राज उर्फ प्रदोस, गाजियाबाद इंदिरापुरम के सुभांकर, गाजियाबाद विजयनगर के मनोज कुमार, दिल्ली सीमापुरी के दीपक, दिल्ली बदरपुर साइन नगर का योगेश कुमार, नोएडा बहलोलपुर का हर्षित, दिल्ली ओखला का आदिल, गाजियाबाद राहुल विहार का कौशल कुमार, गाजियाबाद न्यू पंचवटी कालोनी का पुष्पेंद्र, दिल्ली कालका जी का सिद्धार्थ, प्रयागराज बामपुर का रंजीत, दिल्ली लक्ष्मी नगर का मनोज कुमार, नोएडा बिसरख का अजय किशोर पाठक, गाजियाबाद सिहानीगेट का अभिषेक के रूप में हुई जबकि महिला आरोपितों की पहचान नोएडा सेक्टर-75 की अंकिता, गाजियाबाद विजयनगर की निकिता, गाजियाबाद खोड़ा की राधा वर्मा, दिल्ली जवालपुरी की अंजलि, दिल्ली करोलबाग की निशा, दिल्ली की साजिमा, गाजियाबाद की गुंजन मौर्या, गाजियाबाद खोड़ा कालोनी की स्वेता, बुलंदशहर यमुनापुरम की भावना, नोएडा सेक्टर 53 की महक मनचंदा, हरियाणा कुरुक्षेत्र की नीलिका, गाजियाबाद बहरामपुर की विनिता सिंह, बुलंदशहर की प्राची, नोएडा बरौला की हिमांशी रावत, गाजियाबाद खोड़ा की नीलम, आकांक्षा व दिल्ली मुबारकपुर की

# आओ एक और एक ग्यारह बने

हम सभ भारतीय एक ही दिशा में एक एक कदम चलते हैं तो एक साथ 142 .8 करोड़ कदम आगे बढ़ते हैं
विश्व को भारत की142 .4 करोड़ जनसंख्या का बुद्धि कौछल, कार्यबल, शुभ संकल्प दिख़ाने का समय आ गया है– जनसंख्या वृद्धि की सकारात्मक सोच– एड किशन भावनानी

भारत के बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों, कौशलता निपुण विद्वानों, कुछल नेतृत्व धारक मनीषियों के विचारों का अण्खुट खज़ाना है हमारे देश में,हालांकि इनकी वैचारिक शक्ति का प्रयोग और क्रियान्वयन भी संस्कारों की जननी भारतमाता के गोद में किया जाता है ।परंतु वर्तमान समय में हमारे भारतवर्ष में जो एक विषय जोरों से चर्चा में है, उस पर बहुत गंभीरता से हर देशवासी को सकारात्मक सोचना होगा यह विषय है !142 करोड़ जनसंख्या के कार्यबल, बुद्धि कौशल और शुभ संकल्प का संपूर्ण क्षमता के साथ दोहन करना।

साथियों यह विषय अगर हर भारतीय नागरिक जिसमें राजनैतिक, शासन-प्रशासन, पक्ष विपक्ष, सभके समझ में आ गया है, उसका क्रियान्वयन पूर्ण स्केल के साथ करना शुरू हुआ तो दुनिया की कोई ताकत भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ विकसित देश बनाने में नहीं रोक सकती !

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम जापान के टोक्यो में क्वाड सम्मेलन में भाग लेने के दौरान भारतीय समुदाय से बातचीत की करें तो उन्होंने कहा

आज हिन्दुस्तान से 130 करोड़ लोग और मैं जापान में बैठे हुए लोगों की भी आंखों में वही देख रहा हूं 130 करोड़ देश्वासियों का आत्मविश्वास, 130 करोड़ संकल्प, 130 करोड़ सपने और इस 130 करोड़ सपनों को पूर्ण करने का ये विराट सामर्थ्य परिणाम निश्चित लेके रहेगा दोस्तों। हमारे सपनों का भारत हम देखके रहेंगे। आज भारत अपनी सभ्यता, अपनी संस्कृति, अपनी संस्थाओं के, अपने खोये हुए विश्वास को फिर से हासिल कर रहा है

साथियों बात अगर हम कुछ अवधि से चर्चाओं में चल रहे विषय जनसंख्या नियंत्रण कानून की करें तो हालांकि नीतिगत फैसला अभी नहीं हुआ है। परंतु अभी ज़रूरत है वर्तमान ज़नसंख्या स्थिति को संज्ञान में लेकर उसके कार्यबल, बौद्धिक कौशलता का उपयोग करने के रणनीतिक रोडमैप बनाने की, क्योंकि भारत माता की मिट्टी के गुण इतने प्रभावी हैं कि यहां हर नागरिक में किसी न किसी कौशलता बुद्धिमता का गुण समाया हुआ है ! बस ! ज़रूरत है उसे तराशने की, उचित ट्रेनिंग देने की, जिसमें अगर हम सफ़ल हो जाते हैं तो रोज़गार मांगने वाला रोज़गार सृजन कर्ता बन जाएगा ! 135 करोड़ लोगों के हाथों में काम होगा तो हम भारतीय अर्थव्यवस्था को पांच क्या ? 25 ट्रिलियन डॉलर तक की अर्थव्यवस्था भी ले जाने की क्षमता रखते हैं !

साथियों अगर हम वैश्विक रचना पर नजर घूमांए तो हमारा एक राज्य यूपी,दुनिया के सबसे बड़ी जनसंख्या वाले देशों के पांचवे देश के नम्बर में है,तो हम विचार करें कि, हमारे एक संयुक्त भारत में आज राज्य 35 हैं तो हमसे बहुत छोटी जनसंख्या वाले देशों के नागरिकों के हाथ में काम है, और कौछलता है तथा उनका जीवन स्तर उच्चतर है, तो फिर भारत में तो अपेक्षाकृत अधिक बुद्धि कौशलता और कार्य करने की क्षमता और काबिलियत है ! बस जरूरत है उसे तराशने की जो काम राजनीतिक कौशलबुद्धि और वैचारिक एकता के मंत्र को अपनाने पर क्रियान्वयन होगा।

साथियों बात अगर हम 135 करोड़ साथियों के कार्यबल बुद्धि कौशलता के निखार की करें तो हालांकि अलग-अलग मंत्रालयों के तहत कार्य योजनाएं चलाई जा रही है। परंतु मेरा एक सुझाव है जिस तरह से सेनाओं के तीनों अंगों के लिए एक पीडीएफ पद का सृजन कर नियुक्ति की गई है ठीक उसी प्रकार 135 करोड़ जनसंख्या के लिए अलग-अलग मंत्रालयों के तहत कार्यबल बुद्धि कौशलता क्षमता का उपयोग करने बनाए गए अपने-अपने विभाग के रणनीतिक रोडमैप को एक सूत्रीय पद याने एक विशेष मंत्रालय बनाकर यानें तालमेल के लिए उस मंत्रालय का सृजन कर माननीय पीएम के अंतर्गत दिया जाए तो इस कार्य में तीव्रता से वृद्धि होगी और हमारी 135 करोड़ जनसंख्या की कार्यक्षमता और उनकी कौछल क्षमता के दोहन का अभूतपूर्व विकास होगा और हम शीघ्र ही लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे और आत्मनिर्भर बहुत तेज़ी से बनेंगे ।साथियों बात अगर हम जातिगत, राजनीतिक स्थिति आंदोलनों, आरक्षण की लड़ाई की करें तो मेरा मानना है कि अगर 135 करोड़ पूरी जनसंख्या को उनके कार्यबल और कौछलता का आभास करा कर उनको निख़ारा जाएगा तो उनको यह एहसास कराकर सफ़लता की चाबी उनको दी गई, तो उपरोक्त सभी मामलों का अंत होने की भी संभावना है, क्योंकि हर हाथ में रोज़गार होगा तो जातीयता, आरक्षण, राजनीति, नकारात्मकता की ओर किसी का ध्यान नहीं जाएगा, हालांकि अगर हम इस मुद्दे को नकारात्मकता से संज्ञान में लेकर विश्लेषण करें तो नकारात्मक रिजल्ट ही निकलेगा इसीलिए हमें इस विषय को सकारात्मकता से संज्ञान में लेने की ज़रूरत है।

साथियों बात अगर हम कुछ कुछ समय पहले केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम के संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी 135 करोड़ जनसंख्या के बारे में कहा कि आज़ादी का अमृत महोत्सव भारत के उज्ज्वल भविष्य और विश्व में भारत को उन्नत स्थान दिलाने के लिए मन में आशा जगाने, संकल्प लेने और अपने कार्यों से इन आशाओं को पूरा करने का है। उन्होंने कहा कि भारत 130 करोड़ की आबादी वाला देश है और अगर सभी 130 करोड़ भारतीय आज़ादी के अमृत महोत्सव में एक-एक संकल्प लें तो एक बहुत बड़ी शक्ति बन जाएगी।

अगर हम सब भारतीय एक ही दिशा में एक एक कदम चलते हैं, तो हम सब एक साथ 130 करोड़ कदम आगे बढ़ते हैं। ये हम सबकी ज़िम्मेदारी है कि हम आज़ादी के अमृत महोत्सव को प्रेरणा का एक स्रोत व चेतना जागृत करने का माध्यम बनाकर भारत के विकास का राजमार्ग बनाएं।

अतः अगर हम उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ एक और एक ग्यारह बने। हम सब भारतीय एक ही दिशा में एक एक कदम चलते हैं तो हम सब एक साथ 135 करोड़ कदम आगे बढ़ते हैं,विश्व को भारत की 135 करोड़ जनसंख्या का बुद्धि कौशलता, कार्यबल, शुभ संकल्प दिखाने का समय आ गया है।

**–संकलनकर्ता लेखक– कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी**

- :सौजन्य :-
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

# इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर टीवीएस-बजाज के बीच कड़ी टक्कर जारी, ओला इलेक्ट्रिक दबदबा कायम

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर इंडस्ट्री ने नवंबर 2024 की शुरुआत में पहली बार एक कैलेंडर वर्ष में दस लाख यूनिट का आंकड़ा पार कर लिया है। कई बार देखा गया है कि अक्टूबर महीने जैसे त्योहारी सीजन के बाद खुदरा बिक्री में काफी गिरावट देखने को मिलती है, लेकिन नवंबर 2024 ने 1,91,513 यूनिट में तीसरा सबसे अच्छा मासिक आंकड़ा दिया है। त्योहारी सीजन अक्टूबर 2024 ने 2,19,018 यूनिट के साथ शीर्ष आंकड़ा दिया है। अगर फेम II सब्सिडी-समाप्त होने वाले महीने मार्च 2024 का आंकड़ा 1,41,737 यूनिट का था।

ईवी उद्योग के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में 210 से अधिक खिलाड़ियों में से, शीर्ष चार ओला इलेक्ट्रिक, टीवीएस मोटर कंपनी, बजाज ऑटो और एथर एनर्जी ने नवंबर के महीने में पांच अंकों की खुदरा बिक्री दर्ज की है। इस बीच, हीरो मोटोकॉर्प, ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, रिवोल्ट मोटर्स, बिगॉस ऑटो और काइनेटिक ग्रीन भी इस सेगमेंट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में कामयाब रहे हैं। नवंबर के महीने में शीर्ष नौ ओईएम पर करीब से नज़र डालें तो भारतीय इलेक्ट्रिक-टू-व्हीलर उद्योग अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

वाहन वेबसाइट पर आधारित नवीनतम महीने-दर-महीने खुदरा बिक्री के आंकड़ों के अनुसार, इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बिक्री ने 01 जनवरी से 30 नवंबर तक 10,74,008 इकाइयों पर साल-दर-साल 37% की मजबूत वृद्धि दर्ज की है, जबकि पिछले साल जनवरी से नवंबर 2023 तक 7,84,473 इकाइयाँ थीं।

| S. No. | TOP SALES EV 2 WHEELER OEMs | BRAND | NOVEMBER |
|---|---|---|---|
| 1 | OLA ELECTRIC | OLA | 29,191 |
| 2 | TVS MOTOR COMPANY | TVS | 26,971 |
| 3 | BAJAJ AUTO LIMITED | BAJAJ | 26,163 |
| 4 | ATHER ENERGY | ATHER | 12,741 |
| 5 | HERO MOTOCORP | VIDA | 7,309 |
| 6 | GREAVES ELECTRIC MOBILITY | GREAVES | 4,468 |
| 7 | REVOLT INTELLICORP | REVOLT | 1,994 |
| 8 | BGAUSS AUTO | BGAUSS | 1,878 |
| 9 | KINETIC GREEN ENERGY | KINETIC | 1,095 |
| 10 | LECTRIX EV | LECTRIX | 991 |
| 11 | WARDWIZARD INNOVATIONS | JOY | 975 |
| 12 | BOUNCE ELECTRIC | BOUNCE | 858 |
| 13 | OKAYA EV | OKAYA | 501 |
|  | SOURCE: VAHAN |  |  |

# जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने नवंबर 2024 में 6,019 बिक्री दर्ज की

परिवहन विशेष न्यूज

बेंगलुरु एयरपोर्ट टैक्सी ने 75 एमजी जेडएस ईवी को अपनाने के लिए रिफेक्स ग्रीन मोबिलिटी के साथ साझेदारी की, जिससे वाणिज्यिक बेड़े के संचालन में ईवी की उपस्थिति का और विस्तार हुआ।

इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुँच बढ़ाने के लिए जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने बैटरी-एज़-ए-सर्विस कार्यक्रम शुरू किया है। इस पहल से बैटरी की शुरुआती लागत खत्म हो जाती है, जिससे ग्राहक यात्रा किए गए किलोमीटर के आधार पर बैटरी के इस्तेमाल के लिए भुगतान कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के तहत एमजी कॉमेट ईवी की कीमत ₹4.99 लाख है, जिसका बैटरी किराया ₹2.5 प्रति किलोमीटर है, एमजी विंडसर की कीमत ₹9.99 लाख है, जिसका बैटरी किराया ₹3.5 प्रति किलोमीटर है और एमजी जेडएस ईवी की कीमत ₹13.99 लाख है, जिसका बैटरी किराया ₹4.5 प्रति किलोमीटर है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने नवाचार, स्थिरता और ग्राहक-केंद्रित समाधानों पर जोर देकर खुद को ऑटोमोटिव क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है। कंपनी ने भारतीय बाजार में अपने उत्पाद पोर्टफोलियो और परिचालन पदचिह्न को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इलेक्ट्रिक वाहनों और टिकाऊ गतिशीलता पर इसका ध्यान भारत के हरित ऑटोमोटिव भविष्य के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

एमजी जेडएस ईवी, एमजी कॉमेट और एमजी विंडसर एमजी मोटर के विस्तारित इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें विविध उपभोक्ता प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

एमजी जेडएस ईवी को आराम और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह मानक परिस्थितियों में एक बार चार्ज करने पर 461 किलोमीटर की रेंज प्रदान करता है, जो इसे लंबी दूरी की यात्रा के लिए उपयुक्त बनाता है। वाहन में आई-स्मार्ट तकनीक है, जो बढ़ी हुई सुविधा और सुरक्षा के लिए 75 से अधिक कनेक्टेड सुविधाओं को एकीकृत करती है। इसके विशाल इंटीरियर परिवार की यात्रा को आराम से पूरा करते हैं, जबकि प्रीमियम डिज़ाइन तत्व इसके आकर्षण में योगदान करते हैं।

एमजी कॉमेट को शहरी वातावरण के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें व्यावहारिकता और गतिशीलता को प्राथमिकता दी गई है। इसका कॉम्पैक्ट आकार और चुस्त डिज़ाइन इसे भीड़-भाड़ वाली सड़कों और तंग पार्किंग स्थानों पर चलने के लिए आदर्श बनाता है। 55 से ज़्यादा कनेक्टेड फ़ीचर और MG की आई-स्मार्ट तकनीक से लैस, कॉमेट एक कनेक्टेड और कुशल ड्राइविंग अनुभव सुनिश्चित करता है। इसका छोटा टर्निंग रेडियस घने शहरी इलाकों में उपयोगिता को और बढ़ाता है।

एमजी विंडसर एक क्रॉसओवर यूटिलिटी व्हीकल के रूप में अलग है, जो सेडान जैसी सुविधा और एसयूवी की विशालता का मिश्रण है। इसका एयरोडायनामिक डिज़ाइन प्रदर्शन और दक्षता पर जोर देता है, जबकि इसके शानदार इंटीरियर यात्री आराम पर ध्यान केंद्रित करते हैं। विंडसर की मानक परिस्थितियों में 332 किलोमीटर की रेंज है और यह एक सहज ड्राइविंग अनुभव के लिए उन्नत कनेक्टिविटी सुविधाओं से लैस है। सुरक्षा एक महत्वपूर्ण पहलू है, जिसमें मजबूत सिस्टम ड्राइवरों और यात्रियों के लिए मन की शांति सुनिश्चित करते हैं।

# मारुति सुजुकी 2024 को चुनौती देने इस हफ्ते लॉन्च होगी नई जेनरेशन होंडा एमेज 2024

परिवहन विशेष न्यूज

जापानी वाहन निर्माता होंडा कार की ओर से भारतीय बाजार में जल्द ही नई गाड़ी को लॉन्च किया जाएगा। दो दिसंबर से शुरू हो रहे हफ्ते में कंपनी की ओर से नई जेनरेशन होंडा एमेज 2024 को लाया जाएगा। इसमें किस तरह के फीचर्स दिए जा सकते हैं। कितनी कीमत पर नई गाड़ी को लाया जा सकता है। इसका किन कारों से मुकाबला होगा। आइए जानते हैं।

**नई दिल्ली।** भारतीय बाजार में Compact Sedan Car के तौर पर Honda की ओर से Amaze को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से इस हफ्ते में नई जेनरेशन Honda Amaze 2024 को लॉन्च कर दिया जाएगा। इसमें किस तरह के फीचर्स को दिया जा सकता है। कितना दमदार इंजन मिल सकता है। किस कीमत पर इसे लाया जा सकता है और इसका किन कारों से मुकाबला होगा। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

**इस हफ्ते में लॉन्च होगी नई जेनरेशन Honda Amaze 2024**

होंडा की ओर से अमेज कार की नई जेनरेशन को इस हफ्ते में आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर दिया जाएगा। कंपनी की ओर से Honda Amaze 2024 में कई बड़े बदलाव किए जाएंगे। इसका डिजाइन पूरी तरह से नया होगा और इसमें कई बेहतरीन फीचर्स को भी दिया जाएगा।

**कैसे होंगे फीचर्स**

Honda Amaze 2024 का डिजाइन काफी शॉर्प रखा जा सकता है। कंपनी की ओर से इसमें डबल बीम वाली एलईडी लाइट्स को दिया जाएगा। इसके फ्रंट ग्रिल और बंपर को भी बदला जाएगा। इसमें नया डैशबोर्ड दिया जाएगा। जिसके ऊपर इंफोटेनमेंट सिस्टम को दिया जाएगा। नई अमेज में डिजिटल एसी पैनल दिया जा सकता है और इसमें सेमी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिल सकता है। स्टेयरिंग पर क्रूज कंट्रोल सहित कई अन्य फीचर्स को कंट्रोल करने के लिए स्विच दिए जाएंगे। इंटीरियर में ब्लैक और बेज रंग का उपयोग किया जा सकता है।

**कितना दमदार होगा इंजन**

कंपनी की ओर से इसमें 1.2 लीटर की क्षमता का मौजूदा इंजन ही उपयोग किया जा सकता है। इसमें 5 स्पीड मैनुअल के साथ ही नई अमेज को ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के विकल्प के साथ लाया जाएगा। खास बात यह है कि कंपनी की ओर से इस कार को पेट्रोल के साथ सीएनजी तकनीक के साथ भी लॉन्च किया जा सकता है।

**कैसी होगी सेफ्टी**

कंपनी की ओर से नई जेनरेशन Honda Amaze 2024 में कई बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स को ऑफर किया जा सकता है। इसमें कंपनी की ओर से स्टैंडर्ड तौर पर कई सेफ्टी फीचर्स को ऑफर किया जाएगा। इसके साथ ही इसमें ADAS को भी दिया जा सकता है। अगर इस गाड़ी में ADAS को दिया जाता है तो यह अपने सेगमेंट की पहली ऐसी कार हो जाएगी जिसमें इस सेफ्टी फीचर को दिया जाएगा। हाल में इसके कुछ फोटो जारी किए गए थे जिसमें ADAS जैसे सेफ्टी फीचर को देने की जानकारी मिल रही है।

**कब होगी लॉन्च**

भारतीय बाजार में Honda Amaze 2024 को औपचारिक तौर पर 4 December 2024 को लॉन्च कर दिया जाएगा। लॉन्च के बाद दिसंबर के मध्य में ही इसकी टेस्ट ड्राइव को शुरू कर दिया जाएगा।

**कितनी होगी कीमत**

लॉन्च के समय ही गाड़ी की सही कीमत की जानकारी मिलेगी। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि मौजूदा वर्जन की एक्स शोरूम कीमत के आस-पास ही नई जेनरेशन अमेज की कीमत को रखा जा सकता है। फिलहाल बाजार में उपलब्ध दूसरी पीढ़ी की Honda Amaze की एक्स शोरूम कीमत 7.19 लाख रुपये से शुरू होती है और इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 9.13 लाख रुपये है।

# ईवी के लिए सोलर चार्जिंग प्रणाली

परिवहन विशेष न्यूज

जलवायु परिवर्तन से निपटने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन एक आशाजनक समाधान के रूप में उभर रहा हैं।

इलेक्ट्रिक कारों के लिए सौर चार्जिंग में सूर्य के प्रकाश को बिजली में परिवर्तित करने के लिए फोटोवोल्टिक पैनलों का उपयोग शामिल है। ये पैनल आमतौर पर छतों पर या खुले स्थानों पर स्थापित किए जाते हैं जहां वे अधिकतम सूर्य की रोशनी ग्रहण कर सकें। उत्पन्न बिजली को फिर बैटरी में संग्रहीत किया जाता है या सीधे ईवी की बैटरी को चार्ज करने के लिए उपयोग किया जाता है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सौर चार्जिंग प्रणाली में कई प्रमुख घटक शामिल होते हैं:

**सौर पैनल:** ये सूर्य के प्रकाश को बिजली में परिवर्तित करने के लिए जिम्मेदार प्राथमिक घटक हैं। इनमें अर्धचालक पदार्थों से बने परस्पर जुड़े हुए सौर सेल होते हैं।

**चार्ज नियंत्रक:** यह उपकरण सौर पैनलों से बैटरी तक बिजली के प्रवाह को नियंत्रित करता है, कुशल चार्जिंग सुनिश्चित करता है और ओवरचार्जिंग को रोकता है।

**बैटरी भंडारण:** दिन के दौरान उत्पन्न सौर ऊर्जा को बाद में उपयोग के लिए बैटरी में संग्रहित किया जाता है, जैसे रात भर या कम धूप की अवधि के दौरान इलेक्ट्रिक वाहन को चार्ज करना।

**इन्वर्टर:** इन्वर्टर सौर पैनलों द्वारा उत्पन्न प्रत्यक्ष धारा (डीसी) बिजली को प्रत्यावर्ती धारा (एसी) बिजली में परिवर्तित करता है, जो अधिकांश इलेक्ट्रिक वाहनों और घरेलू उपकरणों के साथ संगत है।

**ईवी चार्जिंग स्टेशन:** यह वह जगह है जहां इलेक्ट्रिक वाहन अपनी बैटरी को फिर से भरने के लिए सौर ऊर्जा से चलने वाले चार्जिंग सिस्टम से जुड़ता है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मुख्य रूप से दो प्रकार के सोलर चार्जिंग सिस्टम हैं:

**ग्रिड-बंधित प्रणालियाँ:** ये प्रणालियाँ विद्युत ग्रिड से जुड़ी होती हैं, जिससे अतिरिक्त सौर ऊर्जा को क्रेडिट या मुआवजे के लिए ग्रिड में वापस डाला जा सकता है। सौर ऊर्जा अपर्याप्त होने पर वे ग्रिड से भी बिजली ले सकते हैं।

**ऑफ-ग्रिड** सिस्टम: ऑफ-ग्रिड सिस्टम विद्युत ग्रिड से स्वतंत्र रूप से संचालित होते हैं और पूरी तरह से सौर ऊर्जा और बैटरी भंडारण पर निर्भर होते हैं। वे दूरदराज के स्थानों या अविश्वसनीय ग्रिड बुनियादी ढांचे वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हैं।

**कार्बन उत्सर्जन में कमी:** स्वच्छ, नवीकरणीय सौर ऊर्जा का उपयोग करके, सौर ऊर्जा से संचालित चार्जिंग पारंपरिक जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों से जुड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करती है।

**संसाधन संरक्षण:** सीमित जीवाश्म ईंधन भंडार के विपरीत, सौर ऊर्जा प्रचुर और अटूट है। सौर ऊर्जा का उपयोग करके, हम भावी पीढ़ियों के लिए गैर-नवीकरणीय संसाधनों को संरक्षित कर सकते हैं।

**कम ऊर्जा लागत:** जबकि सौर पैनलों और बुनियादी ढांचे में प्रारंभिक निवेश अधिक हो सकता है, सौर ऊर्जा से चलने वाली चार्जिंग से ऊर्जा लागत पर दीर्घकालिक बचत हो सकती है, क्योंकि सूरज की रोशनी मुफ़्त और प्रचुर मात्रा में है।

प्रोत्साहन और छूट: कई सरकारें और उपयोगिताएँ सौर ऊर्जा प्रणालियों को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहन, कर क्रेडिट और छूट की पेशकश करती हैं, जिससे कार्यान्वयन की लागत और कम हो जाती है।

सूर्य के प्रकाश पर निर्भरता: सौर ऊर्जा उत्पादन सूर्य के प्रकाश पर निर्भर है, जो इसे रुक-रुक कर और परिवर्तनशील बनाता है। बादल छाए रहने, दिन का समय और मौसमी बदलाव सौर पैनल के प्रदर्शन और चार्जिंग दक्षता को प्रभावित कर सकते हैं।

बैटरी भंडारण सीमाएँ: जबकि बैटरी भंडारण ऊर्जा को संग्रहीत करने और सूर्य के प्रकाश उपलब्ध नहीं होने पर उपयोग करने की अनुमति देता है, वर्तमान बैटरी तकनीक में क्षमता, दक्षता और जीवनकाल के संदर्भ में सीमाएँ हैं।

चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर: इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सौर ऊर्जा से संचालित चार्जिंग को व्यापक रूप से अपनाने के लिए पर्याप्त चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विकास की आवश्यकता है, जिसमें सौर ऊर्जा से संचालित चार्जिंग स्टेशन और संगत ईवी मॉडल शामिल हैं।

वाहन रेंज और दक्षता: इलेक्ट्रिक वाहनों की रेंज और दक्षता सौर-संचालित चार्जिंग की व्यवहार्यता और व्यावहारिकता को प्रभावित कर सकती है। लंबी दूरी वाले उच्च दक्षता वाले वाहन सौर ऊर्जा के लाभों को अधिकतम कर सकते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग में सौर ऊर्जा के एकीकरण से कार्बन उत्सर्जन को कम करने, ऊर्जा स्वतंत्रता को बढ़ावा देने और टिकाऊ परिवहन समाधान चलाने की अपार संभावनाएं हैं। हालांकि चुनौतियों से पार पाना बाकी है, सौर प्रौद्योगिकी, बैटरी भंडारण और ईवी बुनियादी ढांचे में प्रगति सौर-संचालित चार्जिंग को तेजी से व्यवहार्य और आकर्षक बना रही है।

# 2030 तक देश में ईवी उद्योग पकड़ेगा रफ्तार सालाना 1 करोड़ इलेक्ट्रिक वाहनों की होगी बिक्री

परिवहन विशेष न्यूज

देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता बहुत तेजी से बढ़ रही है। मौजूदा साल के पहले 11 माह में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में 50 फीसदी वृद्धि देखने को मिली है। इस दौरान कुल 13.87 लाख वाहनों की बिक्री हुई है। हाल के दिनों में टाटा मोटर्स, हुंडई मोटर्स और किया जैसे दिग्गज वाहन निर्माताओं के साथ-साथ एक हजार से अधिक स्टार्टअप्स ईवी उद्योग के क्रांति-दूत के रूप में सामने आए हैं। इससे सड़क व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के उस अनुमान को बल मिलता है जिसमें उन्होंने कहा था कि 2030 तक भारत में सालाना एक करोड़ इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री होगी।

पिछले पांच सालों में देश में इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के लिहाज से अच्छी तैयारी देखने को मिली है। इस बीच किए गए अनेक अध्ययन यह बताते हैं कि देश अगले एक दशक में ईवी उद्योग के अहम वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने वाला है। भारतीय ईवी बाजार को आकार देने में दिग्गज कंपनियों के साथ-साथ मझोले व छोटी कंपनियां और स्टार्ट-अप भी लगे हुए हैं। टाटा मोटर्स के साथ-साथ हुंडई ने भी ईवी बाजार में मजबूती के साथ कदम रख दिए हैं।

भारत के ईवी बाजार में सबसे ज्यादा 75 फीसदी हिस्सेदारी टाटा मोटर्स की है। टाटा मोटर्स अपनी सबसे सस्ती ईवी अगले माह जनवरी, 2024 में लाने की तैयारी है। कंपनी सूत्रों के अनुसार टाटा मोटर्स अगले साल अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक कारें भारतीय बाजार में लांच करने वाली है। इसके साथ ही हुंडई मोटर इंडिया की भारतीय बाजार के लिए तैयार की गई पहली ईवी (एसयूवी) को भी लांच करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। किया मोटर्स भी इस दौड़ में शामिल है, लेकिन वह भारतीय ग्राहकों के लिए अपनी पहली एसयूवी 2025 की शुरुआत में लांच करने वाली है। महिंद्रा एंड महिंद्रा की भी अपनी इलेक्ट्रिक कार 2025 में लांच करने की योजना है।

इसके साथ ही एक हजार से ज्यादा भारतीय स्टार्ट अप भी इवी क्रांति को आगे बढ़ाने को तत्पर दिखाई दे रहे हैं। इन कंपनियों के पास पर्याप्त फंड भी है और रिसर्च और डेवलपमेंट का मजबूत आधार भी है। भारतीय ईवी क्रांति को सही मायने में लोकप्रिय बनाने का काम स्टार्ट अप्स कर रहे हैं। आज के समय में एक हजार से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में स्टार्ट अप कंपनियां हैं, जिन्होंने अपने बेहतरीन दो पहिया और वाणिज्यिक तिपहिया उत्पादों के माध्यम से ईवी क्रांति को दूर दराज के क्षेत्रों में पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इनमें से कम से कम दो दर्जन स्टार्ट अप तो सिर्फ मेड इन इंडिया उत्पाद बनाने से संबंधित हैं।

हम उम्मीद कर सकते हैं कि इन कंपनियों की बदौलत हमें जल्दी ही भारत में निर्मित दोपहिया वाहनों के उपकरण मिलने लगेंगे जो न केवल सस्ते होंगे बल्कि वाहन की माइलेज 20 फीसदी तक बढ़ा देंगे। इस शुरुआत की बदौलत ही माना जा रहा है कि देश के कुल आटोमोबाइल बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी वर्ष 2024-2025 से तेजी से बढ़ेगी। एक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार इस समय कुल कारों में इलेक्ट्रिक कारों की मौजूदा समय में एक फीसदी हिस्सेदारी है। अगले दो सालों में यह बढ़कर चार फीसदी और 2030 तक 15 फीसदी तक जा पहुंचेगी। दोपहिया वाहनों में मौजूदा पांच फीसदी से बढ़ कर 15 फीसदी व 30 फीसदी हो जाएगी। सबसे ज्यादा बदलाव तिपहिया वाहन के क्षेत्र में दिखाई देगा, वहां बिजली से चालित वाहनों की संख्या सात फीसदी से बढ़ कर 40 फीसदी हो जाएगी।

# मारुति डिजायर 2024 को चुनौती देने इस हफ्ते लॉन्च होगी नई जेनरेशन होंडा एमेज 2024, मिलेंगे बेहतरीन फीचर्स

जापानी वाहन निर्माता Honda Cars की ओर से भारतीय बाजार में जल्द ही नई गाड़ी को लॉन्च किया जाएगा। दो दिसंबर से शुरू हो रहे हफ्ते में कंपनी की ओर से नई जेनरेशन Honda Amaze 2024 को लाया जाएगा। इसमें किस तरह के फीचर्स दिए जा सकते हैं। कितनी कीमत पर नई गाड़ी को लाया जा सकता है। इसका किन कारों से मुकाबला होगा। आइए जानते हैं।

**नई दिल्ली।** भारतीय बाजार में Compact Sedan Car के तौर पर Honda की ओर से Amaze को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से इस हफ्ते में नई जेनरेशन Honda Amaze 2024 को लॉन्च कर दिया जाएगा। इसमें किस तरह के फीचर्स को दिया जा सकता है। कितना दमदार इंजन मिल सकता है। किस कीमत पर इसे लाया जा सकता है और इसका किन कारों से मुकाबला होगा। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

**इस हफ्ते में लॉन्च होगी नई जेनरेशन Honda Amaze 2024**

होंडा की ओर से अमेज कार की नई जेनरेशन को इस हफ्ते में आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर दिया जाएगा। कंपनी की ओर से Honda Amaze 2024 में कई बड़े बदलाव किए जाएंगे। इसका डिजाइन पूरी तरह से नया होगा और इसमें कई बेहतरीन फीचर्स को भी दिया जाएगा।

**कैसे होंगे फीचर्स**

Honda Amaze 2024 का डिजाइन काफी शॉर्प रखा जा सकता है। कंपनी की ओर से इसमें डबल बीम वाली एलईडी लाइट्स को दिया जाएगा। इसके फ्रंट ग्रिल और बंपर को भी बदला जाएगा। इसमें नया डैशबोर्ड दिया जाएगा। जिसके ऊपर इंफोटेनमेंट सिस्टम को दिया जाएगा। नई अमेज में डिजिटल एसी पैनल दिया जा सकता है और इसमें सेमी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिल सकता है। स्टेयरिंग पर क्रूज कंट्रोल सहित कई अन्य फीचर्स को कंट्रोल करने के लिए स्विच दिए जाएंगे। इंटीरियर में ब्लैक और बेज रंग का उपयोग किया जा सकता है।

**कितना दमदार होगा इंजन**

कंपनी की ओर से इसमें 1.2 लीटर की क्षमता का मौजूदा इंजन ही उपयोग किया जा सकता है। इसमें 5 स्पीड मैनुअल के साथ ही नई अमेज को ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के विकल्प के साथ लाया जाएगा। खास बात यह है कि कंपनी की ओर से इस कार को पेट्रोल के साथ सीएनजी तकनीक के साथ भी लॉन्च किया जा सकता है।

**कैसी होगी सेफ्टी**

कंपनी की ओर से नई जेनरेशन Honda Amaze 2024 में कई बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स को ऑफर किया जा सकता है। इसमें कंपनी की ओर से स्टैंडर्ड तौर पर कई सेफ्टी फीचर्स को ऑफर किया जाएगा। इसके साथ ही इसमें ADAS को भी दिया जा सकता है। अगर इस गाड़ी में ADAS को दिया जाता है तो यह अपने सेगमेंट की पहली ऐसी कार हो जाएगी जिसमें इस सेफ्टी फीचर को दिया जाएगा। हाल में इसके कुछ फोटो जारी किए गए थे जिसमें ADAS जैसे सेफ्टी फीचर को देने की जानकारी मिल रही है।

**कब होगी लॉन्च**

भारतीय बाजार में Honda Amaze 2024 को औपचारिक तौर पर 4 December 2024 को लॉन्च कर दिया जाएगा। लॉन्च के बाद दिसंबर के मध्य में ही इसकी टेस्ट ड्राइव को शुरू कर दिया जाएगा।

**कितनी होगी कीमत**

लॉन्च के समय ही गाड़ी की सही कीमत की जानकारी मिलेगी। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि मौजूदा वर्जन की एक्स शोरूम कीमत के आस-पास ही नई जेनरेशन अमेज की कीमत को रखा जा सकता है। फिलहाल बाजार में उपलब्ध दूसरी पीढ़ी की Honda Amaze की एक्स शोरूम कीमत 7.19 लाख रुपये से शुरू होती है और इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 9.13 लाख रुपये है।

**किनसे होगा मुकाबला**

भारतीय बाजार में Honda Amaze 2024 को Compact Sedan Car सेगमेंट में लॉन्च किया जाएगा। इस सेगमेंट में Maruti Dzire 2024, Tata Tigor, Hyundai Aura जैसी कारों को ऑफर किया जाता है। ऐसे में इन तीन कारों से ही होंडा की नई अमेज 2024 का सीधा मुकाबला होगा।

# भारत का पुराना परीक्षा जुनून छात्रों के भविष्य को कैसे प्रभावित कर रहा है?

विजय गर्ग

भारत में परीक्षा के प्रति गहरा जुनून एक सांस्कृतिक और सामाजिक घटना है जिसने छात्रों, परिवारों और शैक्षिक प्रणालियों को लंबे समय तक प्रभावित किया है। इस ₹परीक्षा जुनून₹ की जड़ें इस विश्वास में हैं कि परीक्षा शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता का सबसे विश्वसनीय उपाय है। भारत की परीक्षा-केंद्रित शिक्षा प्रणाली छात्रों के व्यक्तिगत विकास, करियर विकल्पों और वैश्विक मांगों के प्रति अनुकूलन क्षमता को सीमित करती है। भारत भर में बड़ी संख्या में छात्र कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, जिस पर दबाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे देश में जहां कैट, एनईईटी और जेईई जैसी प्रवेश परीक्षाओं में सफलता अक्सर किसी के भविष्य को परिभाषित करती प्रतीत होती है, यह क्षण सब कुछ या कुछ भी नहीं जुआ जैसा लगता है। बहुत से लोगों के लिए, इन परीक्षाओं में असफलता जीवन में विफलता के बराबर होती है। हर साल, 10 लाख से अधिक छात्र जेईई मेन परीक्षा के लिए पंजीकरण करते हैं, जबकि एनईईटी और भी अधिक उम्मीदवारों को आकर्षित करता है, 2024 में 23.8 लाख पंजीकरण के साथ महिला उम्मीदवारों की संख्या पुरुषों से काफी अधिक है। करियर को आकार देने के लिए होने वाली ये परीक्षाएं बड़ी तनाव पैदा करने वाली बन गई हैं, छात्र भारी सामाजिक और पारिवारिक दबाव के तहत 14 या 15 साल की उम्र में ही तैयारी शुरू कर देते हैं। नीट 2024 जैसे विवादों से बढ़ी तीव्र प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता ने चिंताजनक मानसिक स्वास्थ्य संकट को जन्म दिया है। 2022 में, 13,000 से अधिक छात्रों की आत्महत्या की सूचना मिली, जो ऐसी सभी मौतों का 7.6 प्रतिशत है, जो सुधार की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है। लेकिन क्या अब इस आख्यान पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है? भारत की 'परीक्षा संस्कृति' की लंबे समय से परीक्षण पर गहन ध्यान केंद्रित करने के लिए आलोचना की जाती रही है, अक्सर भावनात्मक कल्याण और व्यापक कौशल विकास की कीमत पर। वैकल्पिक शैक्षिक मार्गों और उद्योग-आधारित शिक्षा के उदय के बावजूद, यह धारणा कायम है कि परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना ही समृद्ध करियर का एकमात्र रास्ता है। यह न केवल असत्य है, बल्कि हानिकारक भी है, यह न केवल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है बल्कि उन्हें वास्तविक दुनिया कैसे काम करती है, इसके बारे में गलत दृष्टिकोण देता है। परीक्षा के दबाव की कीमत कोटा जैसे शहरों में, जिन्हें अक्सर भारत की 'कोचिंग राजधानी' कहा जाता है, हर साल हजारों छात्र सुनहरे टिकट की तलाश में पलायन करते हैं, जो विशिष्ट संस्थानों में प्रवेश का वादा करता है। हाल की रिपोर्टों के अनुसार, कोटा में हर साल 200,000 छात्र आते हैं, जिससे 600 अरब रुपये से अधिक की कमाई करने वाले कोचिंग उद्योग को बढ़ावा मिलता है। फिर भी इस फलते-फूलते व्यवसाय के पीछे एक कड़वी सच्चाई है कि छात्र, जिनमें से कुछ 16 वर्ष की आयु के भी हैं, अत्यधिक दबाव झेलते हैं, अक्सर अपने मानसिक स्वास्थ्य की कीमत पर। एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले 30% छात्र गंभीर चिंता की शिकायत करते हैं, जिनमें से कुछ अवसाद के चक्र में गिर जाते हैं। संख्याएँ एक गंभीर तस्वीर पेश करती हैं, लेकिन अंतर्निहित मुद्दा और भी अधिक चिंताजनक हैः छात्रों की एक बड़ी

संख्या का मानना है कि परीक्षा में असफल होने का मतलब उनके भविष्य का अंत है। यह सच्चाई से दूर नहीं हो सकता है। "हमने एक ऐसी संस्कृति बनाई है जहां सफलता को परीक्षा के अंकों द्वारा सीमित रूप से परिभाषित किया जाता है, और यह अविश्वसनीय रूप से हानिकारक है। परीक्षाएँ केवल एक रास्ता है, एकमात्र मार्ग नहीं। इन प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में शीर्ष अंक प्राप्त किए बिना सार्थक और सफल करियर बनाने के अनगिनत तरीके हैं। फोकस की कमी ऐसा नहीं है कि परीक्षा की तैयारी करना कोई बुरी बात है. यह कड़ी मेहनत, अनुशासन और लचीलेपन के गुण पैदा करता है। लेकिन वास्तविक दुनिया में सफल होने के लिए और भी कौशल की आवश्यकता होती है। विश्व आर्थिक मंच की एक रिपोर्ट के अनुसार, 75% भारतीय नियोक्ता अब समस्या-समाधान, आलोचनात्मक सोच और भावनात्मक कौशल जैसे कौशल को प्राथमिकता देते हैं।महज शैक्षणिक साख से अधिक बुद्धिमत्ता। "हम देख रहे हैं कि अधिक से अधिक कंपनियां इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं कि उम्मीदवार क्या कर सकते हैं, बजाय इसके कि उन्होंने कौन सी परीक्षा उत्तीर्ण की है। समस्या यह है कि कई छात्रों को इस बदलाव के बारे में पता नहीं है क्योंकि सिस्टम उन्हें बताता रहता है कि परीक्षा ही सब कुछ है।" यही ग़लतफ़हमी है जो कोचिंग उन्माद को बढ़ावा देती रहती है। इस बात को नजरअंदाज कर दिया गया है कि सभी भारतीय स्नातकों में से लगभग आधे अपनी प्रभावशाली शैक्षणिक योग्यता के बावजूद, उन नौकरियों के लिए तैयार नहीं महसूस करते हैं जिनके लिए वे आवेदन कर रहे हैं। अतीत की प्रणालियों से आगे बढ़ना भारत की शिक्षा प्रणाली सैद्धांतिक ज्ञान पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए कुख्यात है। कई छात्र, स्कूली परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बावजूद, विभिन्न प्रश्न पैटर्न और विश्लेषणात्मक मांगों के कारण प्रवेश परीक्षाओं में खुद को संघर्ष करते हुए पाते हैं। जो लोग इन परीक्षाओं में सफल होते हैं उन्हें अभी भी कार्यस्थल पर संघर्ष करना पड़ सकता है। ₹शैक्षणिक शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच एक अंतर है,₹ ₹कई संस्थान रटकर सीखने और सिद्धांत पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखते हैं, जबकि नियोक्ता वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान कौशल की मांग कर रहे हैं। यह विसंगति छात्रों को अप्रस्तुत महसूस कराती है और कोचिंग सेंटरों के विस्फोट की ओर ले जाती है। ऐसे कार्यक्रम जो इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षा और उद्योग प्रदर्शन को प्रोत्साहित करते हैं, इस विभाजन को पाटने में महत्वपूर्ण हैं। "इसके अलावा भी, उद्योग-प्रासंगिक कौशल विकसित करने के इतने सारे अवसर हैं कि छात्र चाहे कहीं भी हों, शुरुआत कर सकते हैं। एकाधिक ड्रॉप वर्ष लेने का कोई मतलब नहीं है। विद्यार्थियों को इन परीक्षाओं की तैयारी जरूर करनी चाहिए, लेकिन मैं उनसे हमेशा कहता हूं कि इसके लिए अपनी जिंदगी मत रोको। एक इंटर्नशिप चुनें, एक इंस्टाग्राम पेज बनाएं, अपने स्थानीय व्यवसायों की मदद करें, एक व्यावहारिक पाठ्यक्रम चुनें और वास्तव में अपने लिए वैकल्पिकता का निर्माण करें। भारत की परीक्षा संस्कृति में गहरे विश्वास के बावजूद, बढ़ती संख्या में आवाजें फोकस में बदलाव की मांग कर रही हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ने समग्र विकास, व्यावहारिक कौशल और उद्यमशीलता शिक्षा को बढ़ावा देकर इन कमियों को दूर करने के लिए कई कदम आगे बढ़ाए हैं। लेकिन आगामी परीक्षाओं का बोझ महसूस कर रहे हजारों छात्रों के लिए यह सुधार इतनी जल्दी नहीं आ सकता। निष्कर्ष "सफलता सभी के लिए एक ही आकार की यात्रा नहीं है। चाहे वह परीक्षा, कौशल या दोनों के संयोजन के माध्यम से हो, छात्रों के पास संतोषजनक करियर बनाने के अनगिनत अवसर हैं। अब समय आ गया है कि हम उन वैकल्पिक मार्गों का भी उतना ही जश्न मनाना शुरू करें, जितना हम शीर्ष परीक्षा अंकों का जश्न मनाते हैं।" भारत में सफलता का मार्ग पारंपरिक परीक्षाओं से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। जबकि कैट, एनईईटी और जेईई जैसे परीक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे, उन्हें एकमात्र विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

*सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार*

# विश्व एड्स दिवस पर सामाजिक ट्रस्ट द्वारा लोगों को किया गया जागरूक डॉ हृदयेश कुमार

### फरीदाबाद हरियाणा सैक्टर 3 जाट भवन में आम लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूक किया और बताया गया

हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस (World AIDS Day) मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य लक्ष्य एचआईवी/एड्स (AIDS) के बारे में आम लोगों को जागरूक करने के लिए अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट द्वारा जगह जगह पर जन सभा में सभी प्रकार से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और रोकथाम के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए आप सभी को जानकारी देते हैं और इस गंभीर बीमारी से संबंधित सभी मिथकों को खत्म करने के लिए लोगों को प्रेरित करना है (World AIDS Day Significance)। इसलिए इस दिन एड्स और एचआईवी (HIV) से जुड़ी जरूरी बातों के बारे में लोगों को जागरूक बनाने के लिए कई कार्यक्रम (World AIDS Day 2024 Celebrations) आयोजित किए जाते हैं। विश्व एड्स दिवस (World AIDS Day) हमें एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने, एचआईवी संक्रमित लोगों के प्रति सहानुभूति दिखाने और इस बीमारी से लड़ने के लिए एक साथ आने का मौका देता है। इस दिन अलग-अलग कार्यक्रमों, सेमिनारों और जागरूकता अभियानों का आयोजन किया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरुआत 1988 में हुई थी (World AIDS Day History)। आइए जानते हैं एचआईवी और एड्स से जुड़ी कुछ जरूरी बातों के बारे में। इस बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करता है। इस दिन को वैश्विक रूप से सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूक करना है बल्कि उन लोगों को भी याद भी करता है जिनकी मौत एचआईवी/एड्स के कारण हुई है। यह स्वास्थ्य सेवाओं तक विस्तारित पहुंच जैसे मील के पत्थर का भी उत्सव मनाता है। एचआईवी जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दे के बारे में जजानकारी को बढ़ावा देकर उसका उपचारों के लिए अभिन्न सेवाओं पर कार्य करता है।

अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार ने बताया कि विश्व एड्स दिवस 2024 का विषय, ₹सही रास्ता अपनाएं मेरा स्वास्थ्य, मेरा परिवार है, जो स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और लोगों को अपने स्वास्थ्य प्रबंधन में सशक्त बनने के महत्व पर बल देता है। है। एचआईवी/एड्स पर संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम (यूएनएड्स) द्वारा जारी वैश्विक एड्स अपडेट 2023 के अनुसार, वैश्विक स्तर पर एचआईवी/एड्स से लड़ने में महत्वपूर्ण प्रगति प्राप्त की गई है। भारत जैसे देशों में नए एचआईवी संक्रमण मामलों में कमी आई है, जहां एक मजबूत कानूनी संरचना और बढ़े हुई वित्तीय निवेशों ने 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने के लक्ष्य की प्राप्ति करने की दिशा में प्रगति की है। सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर, भारत एचआईवी अनुमान 2023 रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में 25 लाख से ज्यादा लोग एचआईवी से पीड़ित हैं। इसके बावजूद, देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसमें वयस्क एचआईवी प्रसार 0.2% दर्ज किया गया है और अनुमान है कि वार्षिक रूप से नए एचआईवी संक्रमणों की संख्या 66,400 है, जिसमें 2010 के बाद से 44% की कमी आयी है। भारत ने 39% की वैश्विक कमी दर को पीछे छोड़ दिया है, जो निरंतर किए गए मध्यवर्तनों की सफलता को दर्शाता है। । 95% उच्च जोखिम वाले व्यक्ति तक व्यापक रोकथाम सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है

यह सुनिश्चित करके ऊर्ध्वाधर ट्रांसमिशन का समाप्त करना कि एचआईवी ग्रसित 95% गर्भवती महिलाओं ने वायरल लोड का दमन किया है।

विश्व एड्स दिवस 2024 एचआईवी/एड्स की समाप्ति की दिशा में किए जाने वाले कार्यों की याद दिलाता है। एनएसीपी का पांचवां चरण और इसके अधिकार-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से, भारत ने रोकथाम, उपचार एवं देखभाल में महत्वपूर्ण प्रगति प्राप्त की है। इसका विषय ₹सही रास्ता अपनाएंः मेरा स्वास्थ्य, मेरा परिवार !₹1 ट्रस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार ने कहा कि एचआईवी (Human Immunodeficiency Virus) एक ऐसा वायरस है, जो शरीर की इम्युनिटी को कमजोर कर देता है। एड्स (Acquired Immune Deficiency Syndrome) एचआईवी संक्रमण का अंतिम चरण है। जब एचआईवी शरीर में प्रवेश करता है, तो यह टी-सेल्स को नष्ट

विश्व एड्स
जागरुकता दिवस

करना शुरू कर देता है। टी-सेल्स शरीर के इम्युन सिस्टम का एक जरूरी हिस्सा हैं। जब टी-सेल्स की संख्या बहुत कम हो जाती है, तो शरीर किसी मामूली इन्फेक्शन से भी लड़ने में असमर्थ हो जाता है। जिसके कारण व्यक्ति की उस बीमारी की वजह से मौत हो जाती है।

एचआईवी इन्फेक्शन के शुरुआती स्टेज में अक्सर कोई लक्षण नहीं दिखाई देते हैं। कुछ लोगों में हल्के फ्लू जैसे लक्षण हो सकते हैं, जैसे कि बुखार, गले में खराश, थकान, निमोनिया, हर्पीज, मुंह में यीस्ट इन्फेक्शन और सूजे हुए ग्लैंड्स। हालांकि, ये लक्षण कुछ हफ्तों के बाद गायब हो जाते हैं।

जब एचआईवी इन्फेक्शन एड्स के स्टेज में पहुंच जाता है, तो ऐसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं-

लगातार बुखार, अकारण वजन कम होना, लगातार, थकान, लगातार खांसी, दस्त, रात में पसीना आना, त्वचा पर चकत्ते, मुंह में छाले, देखने में तकलीफ होना, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द होना आदि1

एड्स का अभी तो कोई इलाज नहीं है, लेकिन एंटीरेट्रोवायरल दवाओं के जरिए से इसे मैनेज करने की कोशिश की जाती है। इसके जरिए मरीज के जीवन को आसान बनाने की कोशिश की जाती है।

# ● बांग्लादेश के हालात बता रहे हैं- 'एक हैं तो सेफ हैं' सिर्फ चुनावी नारा नहीं बल्कि दीर्घायु रहने का मंत्र है

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा...
'एक हैं तो सेफ हैं' मोदी का नारा

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो बांग्लादेश में शेख हसीना को पद से हटाने के बाद कट्टरपंथियों ने शासन करने के लिए जिन मोहम्मद यूनुस को चुना वह तो सबसे बड़े कट्टरपंथी निकले। मोहम्मद यूनुस की आंखों के सामने हिंदुओं का खून बह रहा है और वह कह रहे हैं कि यह हमारा आंतरिक मामला है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार का राउंड टू चल रहा है जिसे दुनिया के बड़े-बड़े देश बड़े चाव से देख रहे हैं। हिंदुओं को जिस तरह मारा काटा जा रहा है उस पर संयुक्त राष्ट्र भी चुप है, संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार आयोग और दुनिया भर में काम करने वाले तमाम मानवाधिकार संगठन चुप हैं क्योंकि जिनको मारा जा रहा है, जिनको काटा जा रहा है, जिनके घर जलाये जा रहे हैं, जिनके यहां लूट की जा रही है, जिनकी बेटियों के साथ अत्याचार किये जा रहे हैं, वह सब हिंदू हैं। गाजा में एक भी मस्जिद पर हमला होता है तो पूरी दुनिया में मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक बड़ा बवाल खड़ा कर देने वाले बांग्लादेश में मंदिरों को आग के हवाले होते देख कर, देवी-देवताओं की मूर्तियों को खंडित होता देख कर बड़े खुश हो रहे हैं और किसी की जुबान से उफ तक नहीं निकल रही।

देखा जाये तो बांग्लादेश में शेख हसीना को पद से हटाने के बाद कट्टरपंथियों ने शासन करने के लिए जिन मोहम्मद यूनुस को चुना वह तो सबसे बड़े कट्टरपंथी निकले। मोहम्मद यूनुस की आंखों के सामने हिंदुओं का खून बह रहा है और वह कह रहे हैं कि यह हमारा आंतरिक मामला है। दुनिया के किसी भी हिस्से में जब किसी हमले में मुस्लिमों की मौत होती है तो पूरी दुनिया में विरोध प्रदर्शन होते हैं और संयुक्त राष्ट्र भी आपात बैठकें बुला कर निंदा प्रस्ताव पास करने लगता है और शांति की अपील करने लगता है लेकिन ढाका और बांग्लादेश के अन्य इलाकों में हिंदुओं का खून बह रहा है तो इसे एक देश का आंतरिक मामला बताया जा रहा है। मोहम्मद यूनुस जिस तरह इतने खूनखराबे पर भी खामोश हैं और मुस्कुरा के सब कुछ देख रहे हैं उसके चलते उनका नोबेल शांति पुरस्कार छीना जाना चाहिए। शांति का नोबेल पुरस्कार किसी ऐसे व्यक्ति के पास हर्गिज नहीं रहना चाहिए जो नरसंहार को बढ़ावा दे रहा हो या उसे रोक पाने के लिए कोई कदम नहीं उठा रहा हो। बांग्लादेश के हालात को देखते हुए तो ऐसा लगता है कि मोहम्मद यूनुस को लाया ही इसलिए गया था ताकि वह कट्टरपंथियों को मनमानी करने की आजादी दे सकें और इस्लामिक देश से उसी तरह हिंदुओं का सफाया किया जा सके जिस तरह पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने अपने यहां से कर दिया। इसमें कोई दो राय नहीं कि आरक्षण के नाम पर बांग्लादेश में शुरू हुआ आंदोलन अब हिंदू विरोधी आंदोलन का रूप ले चुका है।

बहरहाल, बांग्लादेश से जो तस्वीरें और वीडियो सामने आ रहे हैं उससे भारत के हिंदुओं को भी बटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सेफ हैं का अर्थ समझ आ जाना चाहिए। बांग्लादेश की स्थिति बता रही है कि अगर हिंदू कटेंगे तो दुनिया में कहीं कोई आवाज नहीं उठेगी और कोई बचाने नहीं आयेगा इसलिए एक हैं तो सेफ हैं यह कोई चुनावी नारा नहीं बल्कि दीर्घायु रहने का मंत्र है।

# खुशियां बांटने से दोगुनी हो जाती हैं, अगर वक्त मिले तो दूसरों के साथ अपनी खुशियां बांटें: शिक्षाविद् सुखबीर जाखड़

**झज्जर :** जिला मुख्यालय के अंतिम छोर पर बसे वीरों की देवभूमि कहे जाने वाले गांव धारौली की सामाजिक संस्था मां-मातृभूमि सेवा समिति द्वारा राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धनिया गांव, जिला झज्जर के 53 जरूरतमंद विद्यार्थियों व 4 महिला कर्मचारियों को आयोजित वस्त्र समर्पण सेवा कार्यक्रम में कुल 57 स्वेटर वितरण की गई I स्वेटर पाकर सभी विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

समाजसेवी एवं शिक्षाविद् माननीय चेयरमैन सुखबीर जाखड़ ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे पधारे I अपने संबोधन में सुखबीर जाखड़ ने कहा कि खुशियां बांटने से हमेशा खुशियां बढ़ती हैं, इसलिए कोशिश करें कि अपने साथ दूसरों को भी खुश रखें जिसे खुशियां आपकी दोगुनी हो जायेगी।

सुधराणा गांव, जिला रेवाड़ी की समाजसेविका व रक्तदानी लक्ष्मी सिंह और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित मंजीत सिंह अम्बोली निवासी, प्रो. श्री हँस बैग हाउस, कोसली ने कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। लक्ष्मी सिंह व मंजीत सिंह ने संयुक्त रूप से अपने संबोधन मे कहा कि शास्त्रों व विद्वानों का भी कहना है कि मनुष्य को अपनी नेक कमाई से कुछ अंश सामाजिक कामों और जरूरतमंदों की भलाई में खर्च करना चाहिए I

माननीय पवन कुमार, मुख्याध्यापक, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धनिया गांव, जिला झज्जर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की I मुख्याध्यापक ने मां-मातृभूमि सेवा समिति की

विद्यार्थियों को निःशुल्क स्वेटर वितरण करने की अनूठी पहल की भूरी भूरी प्रशंसा की।

राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धनिया के प्रेरणादायक मास्टर राकेश कुमार कोसली निवासी ने मंच का बेहतरीन संचालन किया I

21 बार रक्तदान कर चुके युद्धवीर सिंह लांबा, अध्यक्ष, मां-मातृभूमि सेवा समिति, वीरों की देवभूमि धारौली ने बताया कि 1. सुखबीर जाखड़, चेयरमैन, रिलायंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स 2.रक्तदानी मंजीत सिंह, प्रो. श्री हँस बैग हाउस, कोसली 3.सुधराणा गांव, जिला रेवाड़ी की रक्तदानी लक्ष्मी सिंह 4.धनिया गांव, जिला झज्जर निवासी नवीन कुमार सेक्रेटरी 5.युद्धवीर सिंह लांबा, वीरों की देवभूमि धारौली 6.समाजसेवी व रक्तदानी सागर यादव, (फिजिकल ट्रेनर ऑफ़ इंडियन नेवी) रेलवे स्टेशन कोसली 7.हरियाणा सरकार में जूनियर इंजीनियर अजय मलिक, खानपुर कलां, सोनीपत 8.कोसली रेलवे स्टेशन में नाहड रोड पर 'सोनू मोटर वाइंडिंग सेंटर' प्रो. सोनू कुमार धारौली 9. प्रेमसुख कुमार, प्रो.,बिट्टू स्कूल ड्रेस, कोसली 10.रक्तदानी नितेश भौरिया, प्रो.अर्बन युवा रेडीमेड स्टोर, कोसली में कपड़ों की मशहूर दुकान 11.रक्तदानी मास्टर रोहित यादव, कोसली 12.शिक्षाविद व रक्तदानी मास्टर पवन कुमार, गांव धनीरवास झज्जर निवासी 13. पंजाब नेशनल बैंक में कार्यरत रक्तदानी धर्मपाल बेरीवाल तुम्बाहेडी निवासी 14.फौजी महेश कुमार रक्तदानी, धारोली निवासी 15.समाजसेवी व शिक्षाविद मास्टर सतीश यादव, भाकली निवासी 16.पोस्ट ऑफिस में पीए पद पर कार्यरत रक्तदानी अमित कुमार मुबारिकपुर, झज्जर निवासी 17.कुलवेन्द्र सिंह यादव, गांव मुमताजपुर, जिला रेवाड़ी आदि समाजसेवियों व शिक्षाविदों ने अपनी ईमानदारी से कमाया नेक धन से कार्यक्रम के सफल आयोजन मे सहयोग दिया।

# कहानी : उपदेश

विजय गर्ग

किसी नगर में एक बूढ़ा चोर रहता था। सोलह वर्षीय उसका एक लड़का भी था। चोर जब ज्यादा बूढ़ा हो गया तो अपने बेटे को चोरी की विद्या सिखाने लगा। कुछ ही दिनों में वह लड़का चोरी विद्या में प्रवीण हो गया। दोनों बाप बेटा आराम से जीवन व्यतीत करने लगे। एक दिन चोर ने अपने बेटे से कहा, "देखो बेटा, साधु-संतों की बात कभी नहीं सुननी चाहिए। अगर कहीं कोई महात्मा उपदेश देता हो तो अपने कानों में ऊंगली डालकर वहां से भाग जाना, समझे।

"हां बापू, समझ गया।" एक दिन लड़के ने सोचा, क्यों न आज राजा के घर पर ही हाथ साफ कर दूं। ऐसा सोचकर उधर ही चल पड़ा। थोड़ी दूर जाने के बाद उसने देखा कि रास्ते में बगल में कुछ लोग एकत्र होकर खड़े हैं। उसने एक आते हुए व्यक्ति से पूछा, "उस स्थान पर इतने लोग क्यों एकत्र हुए हैं?"

उस आदमी ने उत्तर दिया, "वहां एक महात्मा उपदेश दे रहे हैं।" यह सुनकर उसका माथा ठनका। 'इसका उपदेश नहीं सुनूंगा।' ऐसा सोचकर अपने कानों में उंगली डालकर वह वहां से भाग निकला। जैसे ही वह भीड़ के निकट पहुंचा एक पत्थर से ठोकर लगी और वह गिर गया। उस समय महात्मा जी कह रहे थे, "कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए। जिसका नमक खाएं उसका कभी बुरा नहीं सोचना चाहिए। ऐसा करने वाले को भगवान सदा सुखी बनाए रखते हैं।" ये दो बातें उसके कान में पड़ीं। वह झटपट उठा और कान बंद कर राजा के महल की ओर चल दिया। वहां पहुंचकर जैसे ही अंदर जाना चाहा कि उसे वहां बैठे पहरेदार ने टोका, "अरे कहां जाते हो? तुम कौन हो?" उसे महात्मा का उपदेश याद आया, 'झूठ नहीं बोलना चाहिए।' चोर ने

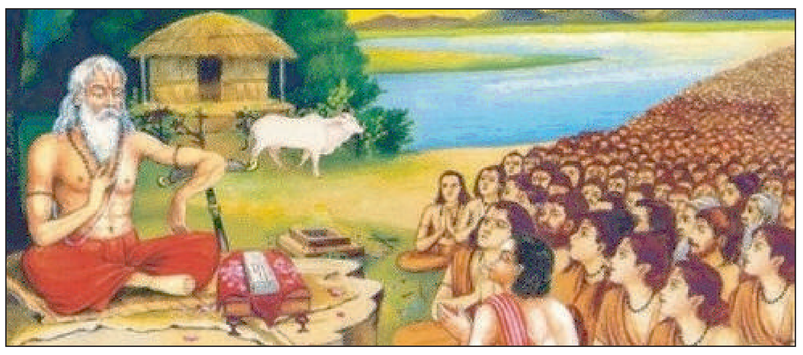

सोचा, आज सच ही बोल कर देखें। उसने उत्तर दिया, "मैं चोर हूं, चोरी करने जा रहा हूं।"

"अच्छा जाओ।" उसने सोचा राजमहल का नौकर होगा। मजाक कर रहा है। चोर सच बोलकर राजमहल में प्रवेश कर गया। एक कमरे में घुसा। वहां ढेर सारा पैसा तथा जेवर देख उसका मन खुशी से भर गया। एक थैले में सब धन भर लिया और दूसरे कमरे में घुसा। वहां रसोई घर था। अनेक प्रकार का भोजन वहां रखा था। वह खाना खाने लगा। खाना खाने के बाद वह थैला उठाकर चलने लगा कि तभी फिर महात्मा का उपदेश याद आया, 'जिसका नमक खाओ, उसका बुरा मत सोचो।' उसने अपने मन में कहा, 'खाना खाया उसमें नमक भी था। इसका बुरा नहीं सोचना चाहिए।' इतना सोचकर, थैला वहीं रख वह वापस चल पड़ा। पहरेदार ने फिर पूछा, "क्या हुआ, चोरी क्यों नहीं की?"

देखिए जिसका नमक खाया है, उसका बुरा नहीं सोचना चाहिए। मैंने राजा का नमक खाया है, इसलिए चोरी का माल नहीं लाया। वहीं रसोई घर में छोड़ आया।" इतना कहकर वह वहां से चल पड़ा।

उधर रसोइए ने शोर मचाया, "पकड़ो, पकड़ों चोर भागा जा रहा है।" पहरेदार ने चोर को पकड़कर दरबार में उपस्थित किया।

राजा के पूछने पर उसने बताया कि एक महात्मा के द्वारा दिए गए उपदेश के मुताबिक मैंने पहरेदार के पूछने पर अपने को चोर बताया क्योंकि मैं चोरी करने आया था। आपका धन चुराया लेकिन आपका खाना भी खाया, जिसमें नमक मिला था। इसीलिए आपके प्रति बुरा व्यवहार नहीं किया और धन छोड़कर भागा। उसके उत्तर पर राजा बहुत खुश हुआ और उसे अपने दरबार में नौकरी दे दी। वह दो-चार दिन घर नहीं गया तो उसके बाप को चिंता हुई कि बेटा पकड़ लिया गया-लेकिन चार दिन के बाद लड़का आया तो बाप अचंभित रह गया अपने बेटे को अच्छे वस्त्रों में देखकर। लड़का बोला- "बापू जी, आप तो कहते थे कि किसी साधु संत की बात मत सुनो। लेकिन मैंने एक महात्मा की बात सुनी और उसी के मुताबिक काम किया तो देखिए सच्चाई का फल, मुझे राजमहल में अच्छी नौकरी मिल गई।"

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

# एलपीजी सिलेंडर हुआ महंगा, बदल गए क्रेडिट कार्ड के नियम; आज से हो गए बड़े बदलाव

परिवहन विशेष न्यूज

आज से कई फाइनेंशियल रूल्स के नियमों में बदलाव हुआ है। एलपीजी सिलेंडर और एटीएफ की कीमतों में इजाफा हुआ है। इसके अलावा ओटीपी और क्रेडिट कार्ड के नियमों में भी बदलाव हुआ है। यहां तक कि आरबीआई ने दिसंबर के लिए बैंक हॉलिडे लिस्ट जारी कर दिया है। आइए इस आर्टिकल में जानते हैं कि आज से कौन-से बड़े बदलाव हुआ है।

**नई दिल्ली।** आज से दिसंबर महीना शुरू हो गया है। महीने की पहली तारीख से कई फाइनेंशियल रूल्स (Financial Rule Change From December 2024) बदल गए हैं। इसके अलावा कई चीजों की कीमतों में बदलानव हुआ है। इन सब बड़े बदलावों का असर आम जनता की जेब पर सीधा असर पड़ता है।

हम आपको बताएंगे कि 1 दिसंबर 2024 (रविवार) से कौन-से बड़े बदलाव हुए हैं।

आज एलीपीजी सिलेंडर की कीमतों को अपडेट किया गया है। आज से कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों (Commercial Cylinder Price Hike) इजाफा हुआ है। इनके दाम में 16.5 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में घरेलू सिलेंडर की कीमत 803 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1818.50 रुपये है।

**एटीएफ की कीमतों में इजाफा (ATF Price Hike)**

आज से जेट ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। यह लगातार दूसरा महीना है जब जेट फ्यूल की कीमतों में इजाफा हुआ है। दिसंबर में एटीएफ की कीमतों में 4,000 रुपये प्रति किलोलीटर से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। इस इजाफा के बाद माना जा रहा है कि हवाई सफर की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है।

क्रेडिट कार्ड रूल्स चेंज (Credit Card Rule Change)

आज से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) के क्रेडिट कार्ड नियमों (SBI Credit Card Rule Change) में बदलाव हुआ है। नए नियम के अनुसार अब डिजिटल गेमिंग प्लेटफॉर्म्स या मर्चेंट से लेनेदेन पर कोई रिवार्ड प्वाइंट नहीं मिलेंगे। नवंबर तक इन लेन-देन पर रिवॉर्ड्स प्वाइंट मिलते थे।

**ओटीपी नियमों में बदलाव (OTP Rule)**

आज से ओटीपी नियमों (OTP Rule Change) में बदलाव हो गया है। नए नियमों के अनुसार टेलीकॉम कंपनियों ने ओटीपी संबंधित ट्रेसेबिलिटी नियम को लागू कर दिया है। यह नियम फ्रॉड और फिशिंग को रोकने में मदद करेगा। इसके अलावा अब टेलीकॉम कंपनियों द्वारा सभी मैसेज को ट्रैस कर पाएंगे।

**दिसंबर में 17 दिन बंद रहेंगे बैंक**

आरबीआई (RBI) ने दिसंबर महीने के लिए बैंक हॉलिडे लिस्ट (RBI Bank Holiday List) जारी कर दिया है। इस लिस्ट के अनुसार दिसंबर में कुल 17 दिन बैंक बंद रहेंगे। इसमें साप्ताहिक अवकाश के साथ फेस्टिवल हॉलिडे भी शामिल है। ऐसे में बैंक जाने से पहले हॉलिडे लिस्ट देखना चाहिए।

# LPG के साथ बढ़ गए हवाई ईंधन के दाम, अब ये लेटेस्ट प्राइस

परिवहन विशेष न्यूज

एलपीजी सिलेंडर के साथ आज एटीएफ की कीमत भी अपडेट हुई है। जेट ईंधन फ्यूल की कीमतों में लगतार दूसरे महीने इजाफा देखने को मिला है। इस बार एटीएफ प्राइस में 4000 रुपये प्रति किलोलीटर से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में माना जा रहा है एटीएफ के महंगे हो जाने के कारण हवाई सफर भी महंगा हो सकता है।

**नई दिल्ली।** आज से वर्ष 2024 का आखिरी महीना दिसंबर शुरू हो गया है। महीने की पहली तारीख को ही कई चीजों की कीमतों में बदलाव हुआ है। जी हां, आज से एलपीजी सिलेंडर और एटीएफ की कीमतों में बदलाव हुआ है। इन बदलावों का असर आम जनता पर किसी न किसी तरह से पड़ता है।

आपको बता दें कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के वेबसाइट के अनुसार कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर (Commercial LPG Cylinder) और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में इजाफा (ATF Price Hike) हुआ है। इस बढ़ोतरी के बाद माना जा रहा है कि रेस्टोरेंट फूड और हवाई सफर महंगा हो सकता है।

कितना बढ़ा एटीएफ का दाम (ATF Latest Price)

नए अपडेट के अनुसार जेट फ्यूल की कीमतों में 4,000 रुपये प्रति किलोलीटर से ज्यादा का इजाफा हुआ है। इतनी ज्यादा कीमतों के बढ़ जाने से अब आशंका है कि हवाई सफर महंगा हो सकता है। नीचे की टेबल से आप जान सकते हैं कि आपके शहर में एटीएफ फ्यूल का प्राइस कितना है।

**एटीएफ के दाम (प्रति किलोलीटर)**

| | |
|---|---|
| दिल्ली | 91,856.84 रुपया |
| कोलकाता | 94,551.63 रुपया |
| मुंबई | 85,861.02 रुपया |
| चेन्नई | 95,231.49 रुपया |

नवंबर में भी एटीएफ की कीमतों में इजाफा हुआ था। यह दूसरा महीना है जब जेट फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। नवंबर में एटीएफ के दाम 2,941.5 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़े थे। एटीएफ की कीमतों में इजाफा होने के कारण एयरलाइन्स के परिचालन का खर्च भी बढ़ सकता है।

अब सवाल आता है कि एटीएफ की कीमतों में लगातार तेजी क्यों आ रही है। इसका जवाब है क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। इस वजह से रुपये-डॉलर एक्सचेंज रेट में गिरावट आई। इन दो कारणों के कारण एटीएफ की कीमतों में वृद्धि हुई है।

**एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़े**

आज से कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। नए अपडेट के मुताबिक कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में 16.5 रुपये का इजाफा हुआ है। हालांकि, घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वह अपनी पुरानी कीमतों पर स्थिर बने हुए हैं।

# दिसंबर के पहले हफ्ते में कैसी रहेगी बाजार की चाल, कौन-से फैक्टर्स रहेंगे अहम

शेयर बाजार के लिए यह हफ्ता काफी उतार-चढ़ाव रहने वाला है। इस हफ्ते कई फैक्टर्स बाजार की चाल को तय करेंगे। मार्केट एनलिस्ट ने बताया कि आरबीआई की द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक के फैसलों का असर शेयर बाजार पर देखने को मिल सकता है। आइए इस आर्टिकल में जानते हैं कि शेयर बाजार के लिए कौन-से फैक्टर्स अहम रहने वाल है।

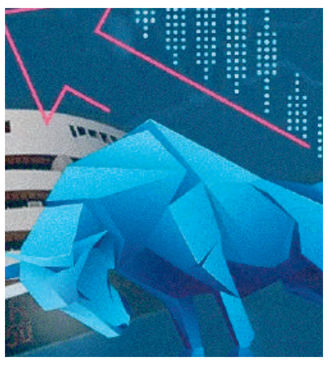

**नई दिल्ली।** कल से दिसंबर का पहला कारोबारी हफ्ता शुरू हो जाएगा। यह हफ्ता शेयर बाजार के लिए काफी अहम रहने वाला हैं। शुक्रवार को जारी हुए दूसरी तिमाही के जीडीपी ग्रोथ आंकड़ों का असर सोमवार को शेयर बाजार में देखने को मिल सकता है। ऐसे में मार्केट एनलिस्ट ने बताया है कि इस हफ्ते शेयर बाजार के लिए कौन-से फैक्टर्स अहम रहने वाले हैं।

मार्केट एनलिस्ट के अनुसार इस हफ्ते ग्लोबल ट्रेंड, फॉरेन फंड मूवमेंट के साथ आरबीआई द्वारा जारी रेपो रेट (Repo Rate) के फैसलों का असर शेयर बाजार पर पड़ेगा। इसके अलावा ऑटो सेल्स डेटा का असर ऑटो सेक्टर में देखने को मिल सकता है।

**ये फैक्टर्स रहेंगे अहम**

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 5.4 फीसदी रही। यह अनुमान से काफी कम है। जीडीपी ग्रोथ में इस गिरावट का असर सोमवार को देखने को मिल सकता है। हालांकि, इस हफ्ते होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक (RBI MPC MEET 2024) में रेपो रेट के साथ कई अहम फैसले लिए जाएंगे। इन फैसलों का सीधा असर स्टॉक मार्केट में देखने को मिल सकता है। यह वह फैक्टर्स है जिनपर निवेशकों को नजर रखनी चाहिए क्योंकि ये शेयर बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी।

भू-राजनीतिक टेंशन खासकर रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के कारण ग्लोबल मार्केट में इसका असर देखने को मिल सकता है। इस हफ्ते पीएमआई सर्विस और मैन्यूफैक्चरिंग डेटा जारी होंगे। इसके अलावा यूएस जॉब डेटा भी बाजार के सेंटीमेंट को प्रभावित कर सकते हैं।

**जीडीपी की धीमी रफ्तार**

भारत की अर्थव्यवस्था काफी धीमी गति से बढ़ रही है। यह पिछले दो साल में सबसे निचले स्तर पर हैं। मैन्यूफैक्चरिंग और माइनिंग सेक्टर की अच्छी परफॉर्मेंस न होने के कारण जीडीपी ग्रोथ दूसरी तिमाही में काफी धीमी रही। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 5.4 फीसदी रही, जबकि 6.5 फीसदी का अनुमान था।

पिछले सप्ताह शेयर बाजार के दोनों स्टॉक एक्सचेंज पॉजिटिव नोट पर बंद हुई थी। हालांकि, इस हफ्ते शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का उतार-चढ़ाव और रुपये-डॉलर का रुख भी शेयर बाजार के रुझान को तय करेगा।

# वित्तीय संकट से गुजर रहे लोग? गिरवी रख रहे सोना, सात महीनों में 50 फीसदी बढ़ गया गोल्ड लोन

परिवहन विशेष न्यूज

आरबीआई के मुताबिक चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में बैंकों द्वारा सोने के आभूषणों के बदले ऋण में 50 .4 फीसदी की वृद्धि हुई है। यह तेज वृद्धि तब हुई है जब हर दूसरे पर्सनल लोन सेगमेंट में क्रेडिट सिंगल डिजिट में बढ़ा है ।आरबीआई ने कहा कि पहले सात महीनों में गोल्ड लोन में बढ़ोतरी के लिए कई कारक जिम्मेदार हो सकते हैं।

**नई दिल्ली।** हमारे देश में अपना कीमती सामान गिरवी रखना पुरानी कवायद रही है। लेकिन अगर कोई सोना गिरवी रख रहा है तो समझलो वह वित्तीय संकट से गुजर रहा है। हालांकि यह सिर्फ एक अंदाजा है। आरबीआई के मुताबिक चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में बैंकों द्वारा सोने के आभूषणों के बदले ऋण में 50.4 फीसदी की वृद्धि हुई है। यह तेज वृद्धि तब हुई है, जब हर दूसरे पर्सनल लोन सेगमेंट में क्रेडिट सिंगल डिजिट में बढ़ा है।

**पर्सनल लोन भी बढ़ा**

आरबीआई द्वारा शुक्रवार को जारी बैंक क्रेडिट के सेक्टोरल डिप्लॉयमेंट के आंकड़ों से पता चलता है कि 18 अक्टूबर, 2024 तक 1,54,282 करोड़ रुपये का गोल्ड लोन बकाया था। मार्च 2024 के अंत में, कुल गोल्ड लोन बकाया 1,02,562 करोड़ रुपये था। अक्टूबर 2023 में 13% की तुलना में साल-दर-साल वृद्धि 56% थी।

**गोल्ड लोन में बढ़ोतरी के लिए कई कारक जिम्मेदार**

आगे आरबीआई ने कहा कि पहले सात महीनों में गोल्ड लोन में बढ़ोतरी के लिए कई कारक जिम्मेदार हो सकते हैं, जिनमें एनबीएफसी से बदलाव और असुरक्षित ऋण की तुलना में सुरक्षित ऋण को प्राथमिकता देना शामिल है। साल के पहले सात महीनों के दौरान एनबीएफसी को दिया जाने वाला बैंक ऋण 0.7% घटकर 1.5 लाख करोड़ रुपये रह गया है।

**सोने के ऋण में वृद्धि इसकी कीमतों में वृद्धि**

बैंकरों ने यह भी कहा कि सोने के ऋण में वृद्धि इसकी कीमतों में वृद्धि के कारण हो सकती है, जो उधारकर्ताओं को पुराने ऋण चुकाने और अधिक नए ऋण सुरक्षित करने का अवसर प्रदान करती है। कुछ विश्लेषक गोल्ड लोन की बढ़ती मांग को वित्तीय संकट के संकेत के रूप में देखते हैं।

**पर्सनल लोन सेगमेंट में, होम लोन में साल-दर-साल हो रही वृद्धि**

पिछले महीने आरबीआई ने बैंकों और वित्त कंपनियों को अपनी गोल्ड लोन नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने का निर्देश देते हुए उन्हें तीन महीने के भीतर किसी भी कमी को दूर करने का निर्देश दिया था। पर्सनल लोन सेगमेंट में, होम लोन में साल-दर-साल वृद्धि 5.6% थी।

**बैंकों का होम लोन 28.7 लाख करोड़**

बैंकों का होम लोन बुक बढ़कर 28.7 लाख करोड़ रुपये हो गया। अक्टूबर 2023 में 36.6% की तुलना में होम लोन में साल-दर-साल वृद्धि 12.1% थी। अगली उच्चतम वृद्धि क्रेडिट कार्ड बकाया में थी, जो सात महीनों में 9.2% बढ़कर 2.81 लाख करोड़ रुपये हो गई।

# जॉब चेंज के साथ क्या UAN भी बदल जाता है, क्या कहता है ईपीएफओ का नियम

परिवहन विशेष न्यूज

EPFO Rule आपक बता दें कि अभी ईपीएफओ द्वारा एक्टिव यूएएन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में कर्मचारियों को कहा जा रहा है कि वह अपने यूएएन को एक्टिव रखें। हमारे मन में एक सवाल बना रहता है कि जॉब चेंज करने के बाद क्या यूएएन नंबर भी बदल जाता है। आइए इस आर्टिकल में इसका जवाब जानते हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन
EMPLOYEES' PROVIDENT FUND ORGANISATION
INDIA भारत
जॉब चेंज
UAN भी
होगा चेंज?

**नई दिल्ली।** ईपीएफओ (EPFO) हर मुमकिन कोशिश करता है कि वह अपने सदस्यों का अच्छे से अच्छी सर्विस दे। इसके लिए ईपीएफओ जल्द ही 3.0 (EPFO 3.0) प्रोजेक्ट ला सकता है। हालांकि, अभी तक इसको लेकर कोई अधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

ईपीएफओ को लेकर कई लोगों के मन में एक सवाल बना रहता है कि जब भी जॉब चेंज होती है तो फिर ईपीएफओ में निवेश के लिए न्यू यूएएन नंबर (UAN Number) जनरेट करना पड़ता है। इसको लेकर लोगों के मन में कन्फ्यूजन बनी रहती है। हम आपको नीचे इस सवाल का जवाब देंगे। इसका जवाब जानने से पहले जान लेते हैं कि आखिर यूएएन नंबर क्या है?

**यूएएन नंबर क्या है? (What is UAN Number?)**

यूएएन नंबर एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर होता है जो ईपीएफओ द्वारा जारी किया जाता है। यह नंबर 12 डिजिट का होता है। हर ईपीएफओ के पास यूनिक यूएएन नंबर होता है। यह एक तरह से बैंक अकाउंट नंबर की तरह काम करता है। इस नंबर के जरिये ईपीएफओ फंड से निकासी और ईपीएफओ अकाउंट को ट्रांसफर करने में मदद मिलती है।

**क्या बदलना पड़ता है यूएएन नंबर**

ईपीएफओ ने इसको लेकर सोशल मीडिया एक्स (X) पर पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट के अनुसार अगर आप जॉब चेंज करते हैं तो आपको यूएएन नंबर चेंज करवाने की जरूरत नहीं है। दरअसल, एक ईपीएफ अकाउंट पर एक ही यूएएन नंबर जारी होता है। अगर किसी मेंबर के पास दो ईपीएफओ अकाउंट होता है तो उन्हें उसे इन अकाउंट को मर्ज करवाना होता है। दरअसल, ईपीएफओ के नियमों के अनुसार प्रत्येक कर्मचारी के पास केवल एक ही पीएफ अकाउंट होना चाहिए।

अगर किसी के पास दो यूएएन नंबर होता है तो उसे ईपीएफओ पोर्टल पर जाकर पिछले यूएएन सर्विस को वर्तमान यूएएन में ट्रांसफर करवाना होगा।

**एक्टिव रखें यूएएन नंबर**

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के साथ मिलकर एक अभियान शुरू किया है। इस अभियान के अनुसार सभी कर्मचारियों को अपना यूएएन नंबर एक्टिव रखना होगा। अगर यूएएन नंबर एक्टिव नहीं रहता है तो ईपीएफओ मेंबर को दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, ईपीएफओ ने यूएएन नंबर एक्टिव रखने की डेडलाइन 30 नवंबर 2024 दी थी, जो अब बीत चुकी है। अगर आपने भी अभी तक अपना यूएएन नंबर एक्टिव नहीं किया है तो आपको एक बार नियोक्ता या फिर ईपीएफओ ऑफिस से संपर्क करना चाहिए।

# विदेशी निवेशकों ने अपनाई निकासी की रणनीति, नवंबर में बेचे 22,420 करोड़ रुपये की इक्विटी

**नई दिल्ली।** अमेरिकी चुनाव के नतीजों के एलान के बाद विदेशी निवेशक (FPI) भारतीय शेयर बाजार से निकासी कर रहे थे। इस निकासी के कारण शेयर बाजार (Share Market) में भारी बिकवाली देखने को मिली। अब नवंबर महीने में एफपीआई आउटफ्लो का डेटा जारी हो गया है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार नवंबर में अभी तक विदेशी निवेशकों ने 22,420 करोड़ रुपये तक की इक्विटी बेची। विदेशी निवेशक शेयर बाजार से निकासी करके चीन में निवेश कर रहे हैं। यूएस डॉलर (US Dollar) के मजबूत होने के कारण भी विदेशी निवेशक निकासी कर रहे हैं। नवंबर में हुए आउटफ्लो के बाद एफपीआई (FPI Data November 2024) ने 2024 में कुल 15,827 करोड़ रुपये की निकासी की है।

भारत में फोरविस मजार्स के वित्तीय सलाहकार भागीदार अखिल पुरी के अनुसार शेयर बाजार में एफपीआई इनफ्लो थोड़े समय के बाद चालू हो सकती है। जनवरी से पहले एफपीआई इनफ्लो जारी होने की उम्मीद है। अभी एफपीआई आउटफ्लो ने बाजार की चाल को सीमित कर दिया है।

**अभी तक कितनी हुई निकासी**

एफपीआई डेटा के अनुसार नवंबर में अभी तक विदेशी निवेशकों ने 22,420 करोड़ रुपये की निकासी की है। पिछले महीने में अक्टूबर में 94,017 करोड़ रुपये की निकासी की थी। यह इस साल का अभी तक सबसे ज्यादा आउटफ्लो है। अक्टूबर 2024 से पहले विदेशी निवेशकों ने मार्च 2020 में सबसे ज्यादा निकासी की थी। मार्च 2020 में एफपीआई ने 61,973 करोड़ रुपये विड्रॉल किया है। सितंबर 2024 में विदेशी निवेशकों ने 57,724 करोड़ रुपये का इनफ्लो किया था, जो 9-महीने का उच्चतम स्तर है।

**एफपीआई ने क्यों अपनाई आउटफ्लो रणनीति**

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार के अनुसार एफपीआई ने अक्टूबर से निकासी की रणनीति तीन कारण की वजह से अपनाई है। यह तीन वजह- भारत में उच्च वैल्यूएशन, निराशाजनक तिमाही नतीजे और ट्रंप ट्रेड है।

एफपीआई ने इस समीक्षाधीन अवधि के दौरान डेट मार्केट में 42 करोड़ रुपये और वीआरआर में 362 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस साल अब तक एफपीआई ने डेट मार्केट में 1.06 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है।

# पिछले सप्ताह 8 कंपनियों का बढ़ा एम-कैप, एचडीएफसी बैंक और टीसीएस रहा टॉप गेनर

M-Cap
BUY
SELL
BUY

शेयर बाजार में पिछले हफ्ते शानदार तेजी देखने को मिली। शुक्रवार को स्टॉक मार्केट के दोनों सूचकांक 2.5 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार में आई इस तेजी के बाद टॉप-10 वैल्यूएशन कंपनी में से 8 के एम-कैप में तेजी आई है।

**नई दिल्ली।** शेयर बाजार की टॉप-10 फर्म में से 8 कंपनियों का एम-कैप पिछले हफ्ते बढ़ा है। इन 8 कंपनियों के एम-कैप में संयुक्त रूप से 1,55,603.45 करोड़ रुपये की बढ़त हुई है। बाजार के टॉप गेनर एचडीएफसी बैंक और टीसीएस रहे। हालांकि, एलआईसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज टॉप लूजर रहे।

**इन फर्म के एम-कैप में आई तेजी**

- एचडीएफसी बैंक एम-कैप सबसे ज्यादा बढ़ा है। पिछले सप्ताह कंपनी का बाजार मूल्यांकन 40,392.91 करोड़ रुपये बढ़कर 13,34,418.14 करोड़ रुपये हो गया।
- टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) का एम-कैप 36,036.15 करोड़ रुपये से बढ़कर 15,36,149.51 करोड़ रुपये हो गया।
- आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 16,266.54 करोड़ रुपये बढ़कर 9,01,866.22 करोड़ रुपये हो गया।
- इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 16,189.33 करोड़ रुपये बढ़कर 7,90,151.83 करोड़ रुपये हो गया है।
- हिंदुस्तान यूनिलीवर का एमकैप 13,239.95 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 5,74,569.05 करोड़ रुपये हो गया।
- आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 11,508.91 करोड़ रुपये बढ़कर 5,94,272.93 करोड़ रुपये हो गया।
- भारती एयरटेल का एमकैप 11,260.11 करोड़ रुपये बढ़कर 8,94,068.84 करोड़ रुपये हो गया।
- भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 10,709.55 करोड़ रुपये बढ़कर 7,28,293.62 करोड़ रुपये हो गया।

पिछले सप्ताह केवल एलआईसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के एम-कैप में गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का एम-कैप 2,368.16 करोड़ रुपये घटकर 17,13,130.75 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 11,954.24 करोड़ रुपये घटकर 5,62,545.30 करोड़ रुपये रह गया है।

**क्या है टॉप-10 फर्म की रैंकिंग**

एम-कैप में आई गिरावट के बाद भी रिलायंस इंडस्ट्रीज शेयर बाजार की टॉप फर्म है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी आते हैं।

# 'कम से कम 3 बच्चे पैदा करना जरूरी', संघ प्रमुख मोहन भगवत का बड़ा बयान; कहा- वरना समाज बर्बाद हो जाएगा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने परिवार के महत्व पर जोर देते हुए हिंदुओं का नाम लिए बगैर भारत में उनकी घटती जनसंख्या पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अगर समाज की जनसंख्या वृद्धि दर गिरते-गिरते 2.1 प्रतिशत के नीचे चली गई तो तब समाज को किसी को बर्बाद करने की जरूरत नहीं वह अपने आप ही नष्ट हो जाएगा।

**नागपुर।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने परिवार के महत्व पर जोर देते हुए हिंदुओं का नाम लिए बगैर भारत में उनकी घटती जनसंख्या पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अगर समाज की जनसंख्या वृद्धि दर गिरते-गिरते 2.1 प्रतिशत के नीचे चली गई तो तब समाज को किसी को बर्बाद करने की जरूरत नहीं, वह अपने आप ही नष्ट हो जाएगा। इसलिए कम से कम तीन बच्चे पैदा करना बेहद जरूरी है।

नागपुर में 'कथाले कुल सम्मेलन' को रविवार को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख भागवत ने कहा, 'कुटुंब (परिवार) समाज का हिस्सा है और हरेक कुटुंब इसकी इकाई है। हमारे देश की जनसंख्या नीति, जो 1998 या 2002 के आसपास तय की गई थी, वो ये कहती है कि जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे नहीं होनी चाहिए। हमें दो से अधिक बच्चों की जरूरत है, यानी तीन (जनसंख्या वृद्धि दर के रूप में), जनसंख्या विज्ञान यही कहता है। यह संख्या महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे (समाज को) जीवित रहना चाहिए।'

**देश में घट रही हिंदुओं की आबादी**

ध्यान रहे कि इसी साल भारत बढ़ती आबादी की लंबी छलांग लगाते हुए चीन को पछाड़ कर जनसंख्या में मामले में विश्व में अव्वल आ गया है। हालांकि भारत में बहुसंख्यक हिंदू पिछली जनगणना में 80 प्रतिशत थे, जो अब इस साल तक उनकी जनसंख्या वृद्धि दर घटने से देश में उनकी कुल आबादी घटकर 78.9 प्रतिशत ही रह गई है। जबकि हिंदू आबादी अब भी देश में करीब 1.094 अरब है। पूरे विश्व के 95 प्रतिशत हिंदू भारत में रहते हैं। जबकि देश में मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर बढ़ी है।

# 'इतिहास की जटिल शख्सियत हैं टीपू सुल्तान', एस जयशंकर ने कहा- अब हम वोट बैंक के...

एस जयशंकर ने शनिवार को टीपू सुल्तान को भारतीय इतिहास में एक बहुत ही जटिल व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा उनकी प्रतिष्ठा एक ऐसे व्यक्ति के रूप में है जिसने भारत पर अंग्रेजों के शासन का विरोध किया। जब भारत के भविष्य की बात आती है तो इस संदर्भ में उनकी हार और मृत्यु को एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा सकता है। उन्होंने टीपू के विवादास्पद पहलुओं पर भी प्रकाश डाला।

**नईदिल्ली।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को टीपू सुल्तान को भारतीय इतिहास में एक बहुत ही जटिल व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिष्ठा एक ऐसे व्यक्ति के रूप में है, जिसने भारत पर अंग्रेजों के शासन का विरोध किया। जब भारत के भविष्य की बात आती है तो इस संदर्भ में उनकी हार और मृत्यु को एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा सकता है। उन्होंने टीपू के विवादास्पद पहलुओं पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि मैसूर क्षेत्र में टीपू सुल्तान के शासन का प्रतिकूल प्रभाव भी दिखा। मैसूर के कई क्षेत्रों में आज भी उनको लेकर बहुत अच्छी धारणा या भावना नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास में उनके द्वारा अंग्रेजों से की गई लड़ाई पर ज्यादा ध्यान दिया गया और उनके शासन के अन्य पहलुओं पर ध्यान नहीं दिया गया। सभी समाजों में इतिहास जटिल है। वह केवल राजनीतिक तथ्यों के इर्द-गिर्द घूमने लगता है।

**'द सागा आफ द मैसूर इंटररेग्नम' के अवसर पर बोले जयशंकर**

टीपू के मामले में भी ऐसा ही हुआ है। उन्होंने ये बातें दिल्ली में इंडियन हैबिटेट सेंटर में भारतीय इतिहासकार विक्रम संपत की पुस्तक 'टीपू सुल्तानः द सागा आफ द मैसूर इंटररेग्नम" के विमोचन के अवसर पर कही।जयशंकर ने आगे कहा, "पिछले 10 सालों में, हमारी राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव के कारण वैकल्पिक दृष्टिकोण सामने आए हैं। हम अब वोट बैंक के कैदी नहीं हैं और न ही असुविधाजनक सच्चाई सामने लाना राजनीतिक रूप से गलत है।" पुस्तक के बारे में आगे बोलते हुए, एस जयशंकर ने कहा, "राजनयिक दुनिया के एक व्यक्ति के रूप में, मैं वास्तव में टीपू सुल्तान पर इस खंड में प्रदान की गई जानकारी से प्रभावित हुआ।

## माँग में सिंदूर लो हो गईं दूर

एक बार ही देखा वो मेरे लिए अजनबी थी,
मुझे ऐसा लगता था कि मेरे लिए सही थी।
हा, उसका यू खिल-खिलाकर चले जाना,
मासूम चेहरा लिए दांतों में उंगली दबाना!
खूब होता था उसका ये अंदाज शायराना।

एक बार ही देखा वो मेरे लिए अजनबी थी,
मुझे ऐसा लगता था कि मेरे लिए सही थी।
एक बारगी मन में आया फोटो तो खींच लूं,
वो बहुत दूर थीं लगता था बाँहों में भींच लूँ,
ख़्वाबों में वह मेरी ज़मीं थी जिसे मैं सींच लूं।

एक बार ही देखा वो मेरे लिए अजनबी थी,
मुझे ऐसा लगता था कि मेरे लिए सही थी।
मैं एक दिन जा रहा हँसते-हँसते अपने रस्ते,
दिखा मुझे वही चेहरा कर दिया मैंने नमस्ते!
माथे पे बिंदिया माँग में सिंदूर लो हो गईं दूर।

संजय एम. तराणेकर

# 'यह हमारी विरासत पर हमला', अजमेर दरगाह मामले में नजीब जंग

अजमेर दरगाह मामले में आधा दर्जन से अधिक पूर्व नौकरशाहों और राजनयिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने पीएम मोदी से इन गतिविधियों को रोकने की मांग की। यह भी कहा कि पूजा स्थल अधिनियम में स्पष्ट प्रावधान होने के बावजूद अदालतें इन मामलों में अधिक तत्परता दिखा रही हैं। बता दें कि हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने अदालत में याचिका दाखिल की।

**नई दिल्ली।** अजमेर शरीफ दरगाह मामले में पूर्व नौकरशाहों और राजनयिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने पीएम मोदी से इन गतिविधियों को रोकने और हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनका कहना है कि यह भारत की सभ्यतागत विरासत पर वैचारिक हमला है।

यह एक समावेशी देश के विचार को विकृत करता है। पत्र में कहा गया है कि पीएम मोदी अकेले ही इसे रोक सकते हैं। पूर्व नौकरशाहों ने यह भी याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12वीं शताब्दी के ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के वार्षिक उर्स के अवसर पर चादरें भेज चुके हैं।

**इन्होंने लिखा पत्र**

दिल्ली के पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर नजीब जंग, यूनाइटेड किंगडम में भारत के पूर्व उच्चायुक्त शिव मुखर्जी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी, पूर्व उप-सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जमीरुद्दीन शाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व डिप्टी गवर्नर रवि वीर गुप्ता समेत लगभग आधा दर्जन पूर्व नौकरशाहों और राजनयिकों ने 29 नवंबर को प्रधानमंत्री को यह पत्र लिखा।

**'अदालतें दिखा रहीं तत्परता'**

पत्र में लिखा कि पूजा स्थल अधिनियम के स्पष्ट प्रावधानों के बावजूद अदालतें भी ऐसी मांगों पर अनावश्यक तत्परता और जल्दबाजी से प्रतिक्रिया करती दिखती हैं। यह भी कहा कि यह अकल्पनीय लगता है कि एक स्थानीय अदालत 12वीं शताब्दी के सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर सर्वेक्षण का आदेश दे। यह दरगाह एशिया में न केवल मुसलमानों के लिए बल्कि उन सभी भारतीयों के लिए सबसे पवित्र सूफी स्थलों में से एक है, जिन्हें हमारी समन्वयकारी और बहुलवादी परंपराओं पर गर्व है।

**यह हमारी विरासत पर हमला**

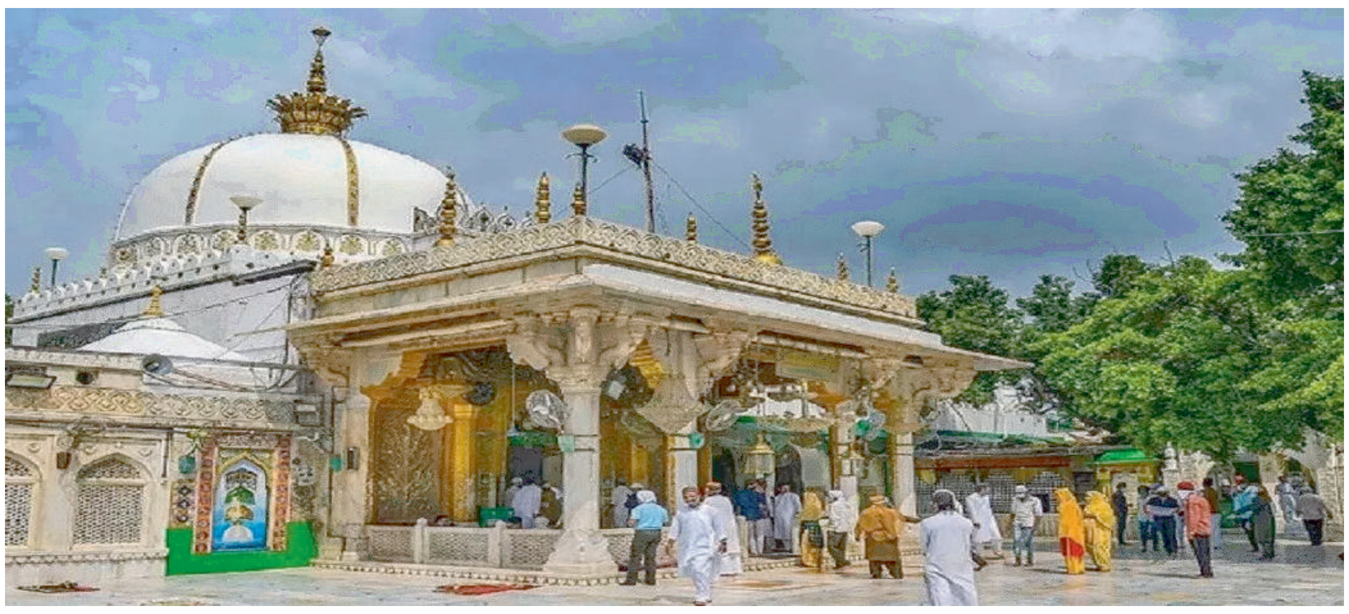

पत्र में यह भी लिखा है कि यह सोचना ही हास्यास्पद है कि एक फकीर, जो भारतीय उपमहाद्वीप में अद्वितीय सूफी आंदोलन का अभिन्न अंग और करुणा, सहिष्णुता व सद्भाव का प्रतीक था, वह अपनी सत्ता कायम रखने के लिए किसी मंदिर को नष्ट कर सकता है।₹

पीएम को संबोधित पत्र में आगे यह भी लिखा कि इस अद्वितीय समन्वयकारी स्थल पर वैचारिक हमला हमारी सभ्यतागत विरासत पर हमला है। यह समावेशी भारत के उस विचार को विकृत करता है जिसे आप स्वयं पुनर्जीवित करना चाहते हैं।₹ पूर्व नौकरशाहों ने कहा कि इस तरह से समाज न तो प्रगति कर सकता है और न ही विकसित भारत का आपका सपना साकार हो सकता है।

**अदालत ने जारी किया नोटिस**

बता दें कि 27 नवंबर को अजमेर की एक सिविल अदालत ने अजमेर दरगाह समिति, केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को नोटिस जारी किया। यह नोटिस हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की याचिका पर जारी किया गया। याचिका में दावा किया गया था कि दरगाह मूलरूप से एक शिव मंदिर था।

# EC के फैसले को SC में चुनौती, मतदान केंद्रों पर वोटर्स की संख्या बढ़ाने का मामला; सोमवार को सुनवाई

चुनाव आयोग द्वारा अगस्त 2024 में दो नोटिफिकेशन जारी किया गया था। आदेश के अनुसार देश के प्रत्येक मतदान केंद्र पर वोटरों की संख्या 1200 से बढ़ाकर 1500 करने का आदेश दिया था। चुनाव आयोग के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि मतदाताओं की संख्या बढ़ाने से वंचित समुदाय की मतदान में भागीदारी कर होने की संभावना है।

**नईदिल्ली।** सोमवार को सुप्रीम कोर्ट उस जनहित याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा जारी दो आदेशों को चुनौती दी गई है। इस याचिका में चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें भारत में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में हर मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या बढ़ाई गई है। ये जनहित याचिका इंदु प्रकाश सिंह ने शीर्ष न्यायालय में दायर की है।

दरअसल, चुनाव आयोग द्वारा अगस्त 2024 में दो नोटिफिकेशन जारी किया गया था। इस आदेश के अनुसार देश के प्रत्येक मतदान केंद्र पर वोटरों की संख्या 1200 से बढ़ाकर 1500 करने का आदेश दिया था। इसी आदेश को चुनौती देने के लिए शीर्ष न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है।

**याचिका में कही गई ये बात**

इंदु प्रकाश सिंह के वकील अभिषेक सिंघवी ने इस जनहित याचिका को लेकर कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्रों पर 1200 से 1500 मतदाताओं की संख्या बढ़ाने से वंचित समुदाय की मतदान में भागीदारी कर होने की संभावना है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब किसी भी बूथ पर मतदाताओं की संख्या ज्यादा होगी तो मतदान में ज्यादा वक्त लगेगा। वहीं, सिंघवी ने आगे कहा कि मतदान केंद्र पर लंबी कतारें और इंतजार वोटर्स के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है।

**पीठ ने कही ये बात**

याचिकाकर्ता के तर्क पर पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग चाहता है कि ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान करें और ईवीएम के इस्तेमाल से समय की बचत होती है। आयोग मतदान के समय को कम करने के लिए ज्यादा ईवीएम का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है।

**आगामी चुनावों पर पड़ेगा असर**

इस याचिका में कहा गया है कि चुनाव आयोग के फैसले से बिहार और दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं पर असर पड़ेगा। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी का कहना है कि एक वोट डालने में 1 सेकंड का समय लगता है और इसलिए एक ईवीएम के साथ एक मतदान केंद्र पर एक दिन में 660 से 490 लोग अपना वोट डाल सकते हैं। औसत मतदान प्रतिशत 65.70 प्रतिशत होने पर विचार करते हुए, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि 1,000 मतदाताओं को स्वीकार करने के लिए तैयार एक मतदान केंद्र पर लगभग 650 मतदाता आते हैं।

जनहित याचिका में यह भी कहा गया है कि देश में ऐसे बूथ भी हैं जहां मतदाताओं का मतदान 85-90 प्रतिशत के बीच है। ऐसी स्थिति में, लगभग 20 प्रतिशत मतदाता या तो मतदान के घंटों के बाद कतार में खड़े रहेंगे या लंबे इंतजार के कारण अपने मताधिकार का प्रयोग करना छोड़ देंगे। प्रगतिशील गणराज्य या लोकतंत्र में दोनों में से कोई भी स्वीकार्य नहीं है।

# 'वक्फ की कितनी संपत्तियों पर है कब्जा', संसदीय समिति ने राज्यों से मांगा ब्योरा; सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में जिक्र

DELHI WAKF BOARD
दिल्ली वक्फबोर्ड

संसदीय समिति ने राज्यों से वक्फ संपत्तियों का ब्योरा मांगा है। यह भी कहा गया है कि उन संपत्तियों की जानकारी भी दें जिन पर राज्य सरकार या उनकी एजेंसियों का कब्जा है। समिति ने वक्फ बोर्ड के साथ चल रहे कानून विवाद वाली संपत्तियों का भी अपडेट मांगा है। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में वक्फ संपत्तियों पर कब्जे का जिक्र किया गया है।

**नई दिल्ली।** वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति ने राज्य सरकारों से अनधिकृत कब्जे वाली वक्फ संपत्तियों का ब्योरा मांगा है। सच्चर समिति की रिपोर्ट में कई राज्यों में वक्फ संपत्तियों पर कब्जे का उल्लेख किया गया था। समिति ने राज्यों से वक्फ अधिनियम की धारा 40 के तहत वक्फ बोर्डों द्वारा दावा की गई संपत्तियों का भी विवरण मांगा है। बता दें कि संसदीय समिति का कार्यकाल अब बजट सत्र के अंतिम दिन तक बढ़ा दिया गया है।

**धारा 40 पर छिड़ी बहस**

कांग्रेस सरकार ने 2013 में वक्फ अधिनियम में संशोधन किया था। इस कानून की धारा 40 पर सबसे अधिक विवाद है। दरअसल, यह धारा वक्फ बोर्डों को यह तय करने का अधिकार देता है कि कोई संपत्ति वक्फ की है या नहीं। अब मौजूदा संशोधन विधेयक में इस पर ही अंकुश लगाने की तैयारी है। हालांकि विपक्षी दलों समेत कई मुस्लिम संगठनों ने सरकार के कदम की आलोचना की। उन्होंने विधेयक को धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करार दिया।

**राज्यों से मांगा कब्जे वाली संपत्तियों का ब्योरा**

संसदीय समिति ने उन वक्फ संपत्तियों का भी ब्योरा मांगा है, जहां पर राज्य सरकार या उनकी आधिकारिक एजेंसियों का कब्जा है। 2005 में बनी सच्चर समिति को विभिन्न वक्फ बोर्डों ने अधानिकृत कब्जों की जानकारी दी थी। संसदीय समिति केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के माध्यम से राज्यों से जानकारी जुटा रही है।

**सच्चर समिति की रिपोर्ट में क्या है?**

सूत्रों के मुताबिक भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति ने पाया है कि 2005-06 में सच्चर समिति को दिल्ली में 316, राजस्थान में 60 और कर्नाटक में 42 ऐसी संपत्तियां बताई गई थीं। मध्य प्रदेश में कब्जे वाली 53, उत्तर प्रदेश में 60 और ओडिशा 53 संपत्तियां थीं। समिति ने इन सभी छह राज्यों से जानकारी मांगी है। इसके अलावा अन्य राज्यों से भी जानकारी मिली है।

**कानूनी विवाद वाली संपत्तियों का भी देना है ब्योरा**

समिति ने राज्य सरकारों से उन मामलों का विवरण साझा करने का भी आग्रह किया गया है, जहां उनकी एजेंसियां किसी संपत्ति के स्वामित्व या कब्जे को लेकर वक्फ बोर्ड के साथ कानूनी विवाद में शामिल हैं। यूपीए सरकार ने भारत में मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थिति का अध्ययन करने के लिए 2005 में सच्चर समिति का गठन किया था। इस समिति ने 2006 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

## हे पिता, क्यों हो गए मुझसे जुदा!

हे पिता, इतनी जल्दी क्यों हो गए मुझसे जुदा,
मैं भी तो आपकी बहुत-सी बातों पर था फिदा।
मैंने सीखा था आपसे उंगली पकड़कर चलना,
आपका गोद में उठाकर मुझे ऊपर उछालना!
फिर माँ का धक्क रहकर घबराकर चिल्लाना।

हे पिता, इतनी जल्दी क्यों हो गए मुझसे जुदा,
मैं भी तो आपकी बहुत-सी बातों पर था फिदा।
मेरा बीमार होना, माँ के साथ ₹रतजगा₹ करना,
मेरी गलती होने पर मारने का अभिनय करना!
किसी से विवाद होने पे मेरे साथ खड़े हो जाना।

हे पिता, इतनी जल्दी क्यों हो गए मुझसे जुदा,
मैं भी तो आपकी बहुत-सी बातों पर था फिदा।
याद आता है विद्यालय आकर टिफिन दे जाना,
नौकरी से छुट्टी लेकर मुझे घर पर छोड़ आना!
शाम होते आपका आना और मेरा लिपट जाना।

हे पिता, इतनी जल्दी क्यों हो गए मुझसे जुदा,
मैं भी तो आपकी बहुत-सी बातों पर था फिदा।
वह दाढ़ी करना, साबुन से मेरे गाल पर लगाना,
साइकिल के डंडे पे छोटी सीट लगाकर बिठाना!
मेरे थक जाने पर गोद में उठा, कंधे पर ले लेना।

हे पिता, इतनी जल्दी क्यों हो गए मुझसे जुदा,
मैं भी तो आपकी बहुत-सी बातों पर था फिदा।
याद आती है अब भी आपकी एक-एक अदा,
हे ईश्वर एक बार फिर कर दे मिलाने का वादा!
मैं ज़ब कभी जन्म लूं, मेरे पिता वहीं रहें सदा।

संजय एम. तराणेकर

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। **RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023**